दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

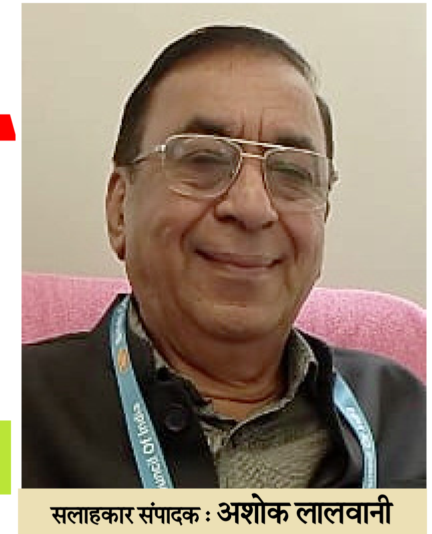

सलाहकार संपादकः अशोक लालवानी

वर्षः 24 अंकः 252 नई दिल्ली, मंगलवार, 07 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

Dedicated to Sindhi Council of India

संक्षिप्त समाचार

खामेनेई की अंतिम यात्रा में लाखों लोग शामिल हुए

तेहरान। ईरान की इस्लामी क्रांति के नेता आयतुल्ला सैय्यद अली खामेनेई की अंतिम यात्रा सोमवार को तेहरान में निकाली गयी, जिसमें लाखों लोग शामिल हुए। अधिकारियों ने इसे देश के आधुनिक इतिहास का सबसे बड़ा जनसमूह बताया है। अंतिम यात्रा के दौरान शहीद आयतुल्ला खामेनेई के ताबूत को आजादी स्क्वायर तक ले जाया गया। देशभर से शोकाकुल ईरानियों के साक्षी बने इस जुलूस में उनके परिवार के कई सदस्यों के राष्ट्रीय ध्वज में लिपटे ताबूत भी शामिल थे। इन सभी की 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों में मौत हो गयी थी।

श्रीलंका : नेगोंबो जेल में भड़की हिंसा में 25 की मौत

नेगोंबो। श्रीलंका के पश्चिम प्रांत के नेगोंबो शहर के गंपाहा जिले के नेगोंबो में मौजूद नेगोंबो कारावास में हुई हिंसक झड़पों में अब तक 25 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें पांच जेल अधिकारी और कैदी शामिल हैं। स्थानीय मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से कहा कि इस घटना में 100 लोग घायल भी हुए हैं। ज्यादातर घायलों को स्थानीय नेगोंबो जनरल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अस्पताल के अनुसार, घायलों और मृतकों को कई गोलियां लगी हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर 10.65 करोड़ की कोकीन जब्त

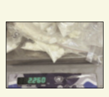

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की मुंबई जोनल यूनिट ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की और मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर 2.128 किलोग्राम कोकीन जब्त की। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस खेप की अनुमानित कीमत करीब 10.65 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस मामले में एक विदेशी महिला नागरिक को गिरफ्तार किया गया है।

बेंगलुरु खदान हादसे का एनएचआरसी ने लिया स्वतः संज्ञान

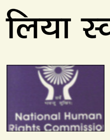

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कर्नाटक के बेंगलुरु में एक ग्रेनाइट खदान में हुए हादसे में सात प्रवासी मजदूरों की मौत और अन्य पांच के घायल होने की घटना का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने इस मामले में कर्नाटक सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। एनएचआरसी ने कहा कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार दो जुलाई को बेंगलुरु स्थित एक ग्रेनाइट खदान में काम के दौरान एक विशाल ग्रेनाइट चट्टान मजदूरों पर गिर गई थी।

चम्पत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर, ट्रस्ट के कार्यकारी महासचिव बने कृष्ण मोहन

अयोध्या, 06 जुलाई (हि.स.)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की राम जन्मभूमि परिसर में सोमवार को हुई महत्वपूर्ण बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया गया। साथ ही ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन को कार्यकारी महासचिव नियुक्त किया गया। श्रद्धालुओं की भावनाओं को देखते हुए ट्रस्ट ने अब तक की भेंट, दान और चढ़ाव की धनराशि को सार्वजनिक करते हुए कहा कि कोई भी दानकर्ता यहां आकर अपनी भेंट या दान का सत्यापन कर सकता है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरि महाराज ने बैठक में लिये गए फैसलों की मीडिया को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट की बैठक में सदस्यों का कोरम पूरा हुआ और इस बैठक में ट्रस्ट के सदस्य के. पारासरन आभासी रूप से जुड़े। बैठक में मंदिर के दान में चोरी की घटना को अत्यंत दुर्भाग्य और आहत करने वाली बताया गया। बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय और ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र द्वारा नैतिक रूप से अपने अपने पदों से दिए गए त्यागपत्र पर ट्रस्ट के नियमों के अनुरूप चर्चा की गयी। बैठक के दौरान सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं ट्रस्टी के. पारासरन ने

सदस्यों को बताया कि ट्रस्ट का नियम है कि अगर कोई सदस्य त्यागपत्र देता है तो त्यागपत्र स्वीकार हो जाएगा। ऐसे में नैतिक आधार पर महामंत्री चम्पत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्र का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया गया है। साथ ही ट्रस्टी कृष्ण मोहन को कार्यकारी महासचिव नियुक्त किया गया है। इनकी मदद के लिए एक समिति भी गठित की गयी। इसके अलावा गोपाल नगरकोटे का नाम विशिष्ट आमंत्रित सदस्य सूची से हटा दिया गया है।

22 जुलाई को होगी ट्रस्ट की पुनः बैठक

गोविंद देव गिरि ने बताया कि 22 जुलाई को ट्रस्ट की पुनः बैठक होगी। बैठक में ट्रस्ट के नए सदस्यों की नियुक्ति पर विचार किया जाएगा। तब तक एसआईटी की फाइनल रिपोर्ट आ जाएगी। दान चोरी करने वाले अन्य अपराधियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के लिए दान की गयी 2800 वस्तुतों की सूची बनी है और अगर किसी भी दानदाता के मन में संशय है तो वे ट्रस्ट के अयोध्या कार्यालय आकर देख सकते हैं। सभी वस्तुओं को पूरी तरह से सुरक्षित रखा गया है।

> ■ ट्रस्ट ने सार्वजनिक की भेंट, दान और चढ़ावा की राशि, श्रद्धालु अयोध्या आकर कर सकते हैं सत्यापन
>
> ■ गोपाल नगरकोटे का नाम विशिष्ट आमंत्रित सदस्य सूची से हटाया गया

श्रद्धालुओं का विश्वास पुनः स्थापित करेगा ट्रस्ट

बड़े ही भावुक होते हुए गोविंद देव गिरि महाराज ने कहा कि मंदिर चोरी के प्रकरण को लेकर अनर्गल बातें मीडिया में आने और कुछ राजनीतिक दलों की ओर से इस मुद्दे पर जो चिंता दिखायी जा रही है वे राष्ट्र के लिए घातक हैं, क्योंकि यही वे राजनीतिक दल और नेता हैं जो भगवान राम को काल्पनिक बता कर न्यायालय तक गए। मंदिर आंदोलन के समय कारसेवकों पर गोलियां तक चलवाईं। ऐसे नेताओं एवं संगठनों का मकसद राजनीतिक रोटियां सेंकना और हिंदू एकता, रामभक्तों और सनातन पर चोट करना है, लेकिन ट्रस्ट आह्वान करता है कि सभी हिंदू समाज की अपेक्षा के अनुरूप काम करेगा और उनका विश्वास पुनःस्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि राम भक्त धैर्य रखें और किसी प्रकार के अनर्गल समाचारों पर ध्यान न दें।

चोरी करने वालों को दंड दिलाना प्राथमिकता

बैठक में कार्यकारी महासचिव कृष्ण मोहन ने अपनी प्राथमिकताएं गिनाते हुए कहा कि पहला काम चढ़ावा चोरी करने वाले अपराधियों को दंड दिलाना और मंदिर प्रबंधन में अब तक रहीं कमियां दूर करना है। ट्रस्ट के सदस्य समाज में राम मंदिर की पुनः प्रतिष्ठा और विश्वास बनाएंगे।

सार्वजनिक की गई धनराशि

ट्रस्ट की ओर से बताया गया कि आज की बैठक में प्रमुख रूप से दानपात्रों से प्राप्त राशि की गणना की प्रक्रिया में अनियमितता, उसकी जांच और कार्यवाही, महामंत्री और एक न्यासी के न्यासी पद से त्यागपत्रों, मीडिया में चल रही चचाओं, भावी अन्तरिम व्यवस्थाओं आदि विषयों पर विचार हुआ। अब तक निधि समर्पण अभियान एवं कॉर्पस दान के माध्यम से प्राप्त कुल राशि 3,264 करोड़ रुपये में से 2,370 करोड़ रुपये निर्माण एवं पूंजीगत व्यय में उपयोग की गई है। प्रारम्भ से लेकर 31 मार्च 2026 तक कुल चढ़ावा 582 करोड़ रुपये प्राप्त हुआ, जिसमें से 391 करोड़ रुपये की राशि संचालन व्यय में उपयोग ली गई। शेष राशियां बैंक खातों में उपलब्ध है। ये समस्त वितीय सूचनाएं समय–समय पर ट्रस्ट ने मीडिया के समक्ष प्रस्तुत की हैं। नकद राशि के अतिरिक्त अनेक श्रद्धालुओं ने वस्तु के रूप में प्रभु श्री रामलला को भेंट अर्पित की हैं। ऐसी कुल 2,926 भेंट प्राप्त हुई हैं जो समस्त, तिथि अनुसार, सम्पूर्ण विवरण के साथ रजिस्टर में दर्ज हैं और उनका भौतिक सत्यापन एक स्वतंत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्म द्वारा आंतरिक अंकेक्षक के नाते प्रति वर्ष किया जाता है। काउंटर पर ऐसी भेंट देने वाले समस्त श्रद्धालुओं को रशीद दी गई हैं और काउंटर के अतिरिक्त दी गई भेंट हेतु भी उन समस्त श्रद्धालुओं को रशीद दी गई है जिन्होने दानदाता का विवरण दिया। समस्त श्रद्धालुओं से निवेदन है कि जो भी अपनी दी हुई भेंट का उपयोग जानना अथवा सत्यापन करना चाहें, वे कभी भी ट्रस्ट के अधिकारी से तिथि व समय निश्चित कर अयोध्या पधारें और प्रभु श्री रामलला के दर्शन के साथ अपनी भेंट का सत्यापन कर सकते हैं। चांदी की वस्तुओं को भारत सरकार की टकसाल (मिंट) में गला कर छड़ें बनाई गई हैं जिनके मूल स्वरूप का विवरण फोटो व वजन सहित उपलब्ध है। गलाने के पश्चात चाँदी की शुद्धता और कुल वजन के टकसाल के प्रमाण-पत्र भी उपलब्ध हैं।

पहलगाम आतंकी हमले में पूरक चार्जशीट पेश

एनआईए ने हाफिज सईद को बनाया आरोपी

भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने व आतंकी साजिश रचने जैसे आरोप

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा के सरगना हाफिज सईद को अपनी पूरक (सप्लीमेंट्री) चार्जशीट में आरोपी बनाया है। एनआईए ने उस पर भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और सीमा पार से आतंकी साजिश रचने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। जांच एजेंसी ने हमले की साजिश और आतंकी नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों के खिलाफ भी अतिरिक्त साक्ष्य अदालत में पेश किए हैं।

जम्मू की एनआईए स्पेशल कोर्ट में दायर अपनी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में, आतंकवाद–रोधी एजेंसी ने हाफिज सईद पर व्यक्तिगत तौर पर और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर–ए–तैयबा व उसके सक्रिय प्रॉक्सी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) के चीफ के तौर पर आरोप लगाए हैं। सईद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पाकिस्तान की साजिश के सबूत होने का दावा

एनआईए ने कहा कि यह पूरक चार्जशीट पहले दाखिल की गई 1,597 पन्नों की मूल चार्जशीट का विस्तार है। इसमें पाकिस्तान की साजिश, हाफिज सईद की भूमिका और जांच के दौरान जुटाए गए वैज्ञानिक एवं अन्य सबूतों का विस्तृत विवरण शामिल किया गया है।

दिल्ली में बड़े आतंकी हमले की साजिश नाकाम, शाहजाद भट्टी नेटवर्क के 6 गुर्गे गिरफ्तार

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी आतंकी शाहजाद भट्टी के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इनमें एक मॉड्यूल दिल्ली में किसी महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान या पुलिस स्थापना पर पेट्रोल बम से हमला करने की साजिश रच रहा था, जबकि दूसरा मॉड्यूल पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भेजे गए हथियारों की तस्करी कर रहा था। पुलिस ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पंजाब से जुड़े छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

उनके कब्जे से तीन पेट्रोल बम, तीन अत्याधुनिक पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस, दो कारें, एक चोरी की बाइक, मोबाइल फोन और पाकिस्तानी हैंडलरों से हुई बातचीत के डिजिटल साक्ष्य बरामद हुए हैं। स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुशवाहा ने सोमवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह कार्रवाई स्पेशल सेल की नॉर्दर्न रेंज (एनडीआर) की टीम ने की। पूरी कार्रवाई डीसीपी प्रवीण त्रिपाठी की निगरानी में एसीपी विवेक कुमार त्यागी तथा इंस्पेक्टर सुनील रजैन और इंस्पेक्टर धीरज की टीम ने अंजाम दी। दोनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत स्पेशल सेल थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। जांच में सामने आया कि पहला मॉड्यूल पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े हैंडलर राना हुनैन के इशारे पर काम कर रहा था। राना हुनैन, शाहजाद भट्टी का करीबी सहयोगी बताया गया है। पुलिस के मुताबिक मॉड्यूल का मकसद दिल्ली में किसी महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान या पुलिस स्थापना की रेकी कर पेट्रोल बम से हमला करना था। स्पेशल सेल ने विजय घाट इलाके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से तीन पेट्रोल बम, 2,000 रुपये नकद, एक चोरी की मोटरसाइकिल और ऐसे मोबाइल फोन बरामद हुए हैं जिनमें पाकिस्तानी हैंडलरों के साथ चैट, फोटो और वीडियो मिले हैं।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मुजफ्फरनगर निवासी 24 वर्षीय दानिश उर्फ चांद मियां और 20 वर्षीय सलमान के रूप में हुई है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार आज आधुनिक भारत को दिशा दे रहे हैं: मोदी

नई दिल्ली/(हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जिस विचार-बीज को बोया था, वह आज आधुनिक भारत को दिशा देने में बड़ी भूमिका निभा रहा है और भारतीय जनसंघ का वही विचार आज भारतीय जनता पार्टी के रूप में विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति बनकर जनसेवा कर रहा है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने अनुच्छेद 370 हटाकर डॉ. मुखर्जी का सपना साकार किया है और उनकी 125वीं जयंती को दो वर्षों तक राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के कारण वह प्रवास पर हैं, लेकिन तकनीक की सहायता से इस ऐतिहासिक आयोजन से जुड़े हैं। उन्होंने डॉ. मुखर्जी को भारत की अखंडता के लिए समर्पित महान देशभक्त और युगद्दष्टा बताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी ने कहा कि जब राष्ट्र प्रथम की भावना वाली सरकार होती है तो राष्ट्रनायकों को सम्मान भी मिलता है और उनके विजन को आगे बढ़ाने का प्रयास भी किया जाता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार डॉ. मुखर्जी की 125वीं जयंती को दो वर्षों के राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मना रही है, जो पिछले वर्ष छह जुलाई से शुरू होकर अगले वर्ष छह जुलाई तक चलेगा। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार को भव्य आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि हाल में मनाया गया पश्चिम बंग दिवस और यह कार्यक्रम राज्य की विरासत के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

हमले में महिला और बच्चा घायल

इंफाल, 6 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में लंबे समय से जारी जातीय तनाव के बीच एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। कांगपोकपी जिले के थिंगखोंगजांग कुकी गांव पर हुए कथित सशस्त्र हमले में एक महिला और एक बच्चा घायल हो गए। घटना के बाद कुकी संगठनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग–37 पर 24 घंटे के बंद का एलान कर दिया है। साथ ही स्वतंत्र न्यायिक जांच, दोषियों की गिरफ्तारी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठाई है। हालांकि, सरकार की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

> ■ एनएच-37 पर 24 घंटे का बंद

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

'कुकी इनपी मणिपुर' (केआईएम) ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे आम नागरिकों पर सुनियोजित हमला बताया। संगठन ने सवाल उठाया कि सुरक्षा बलों की मौजूदगी के बावजूद हमलावर कैसे गांव में प्रवेश कर हिंसा फैलाकर आसानी से निकल गए।

बंगाल में राज्यसभा की तीन सीटों पर 24 को होगा उपचुनाव

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने सोमवार को पश्चिम बंगाल से राज्यसभा की तीन रिक्त सीटों पर उपचुनाव कराने की तिथि घोषित कर दी । राज्य में हाल ही में उच्च सदन के तीन वरिष्ठ सदस्यों सुखेंदु शेखर राय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बड़ाईक के इस्तीफों के कारण ये तीनों सीटें रिक्त हैं। बंगाल से राज्य सभा की तीनों सीटों के लिए चुनाव आयोग ने आगामी 24 जुलाई को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक मतदान और उसी दिन शाम पांच बजे से मतगणना कराने का फैसला किया है।

> ■ हाल ही में तीन सदस्यों ने दिया था इस्तीफा

आयोग की चुनावी प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत सात जुलाई को अधिसूचना जारी होने के साथ ही हो जाएगी।

स्वदेशी स्टेल्थ फ्रिगेट महेन्द्रगिरी समुद्री बेड़े में शामिल होने को तैयार, भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ेगी

नई दिल्ली, 06 जुलाई (हि.स.)। भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े में एक और एडवांस्ड स्टेल्थ फ्रिगेट महेन्द्रगिरी शामिल होने के लिए तैयार है। विशाखापत्तनम में 11 जुलाई को महेन्द्रगिरी को ऐसे समय में शामिल किया जाएगा, जब भारत के पूर्वी समुद्री तट का रणनीतिक और समुद्री महत्व लगातार बढ़ रहा है। महेन्द्रगिरी के नौसेना में शामिल होने से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की निगरानी क्षमता और ऑपरेशनल पहुंच में काफी बढ़ोतरी होगी।

नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने कहा कि प्रोजेक्ट 17ए वर्ग का छठा स्टेल्थ फ्रिगेट महेन्द्रगिरी केवल एक जहाज नहीं है, बल्कि यह 'मेक इन इंडिया' की भावना और हमारे स्वदेशी शिपयार्ड की इंजीनियरिंग क्षमताओं का 6,670 टन का अवतार है। भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो में इन-हाउस डिजाइन और मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में निर्मित यह फ्रिगेट पहले के डिजाइनों की तुलना में एक पीढ़ी की छलांग है। 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ यह जहाज घरेलू औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र की परिपक्वता को उजागर करता है, जो अब 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में फैला हुआ है।

संयुक्त डीजल या गैस प्रणोदन संयंत्र से संचालित महेन्द्रगिरी को उच्च गति-उच्च धीरज बहुमुखी प्रतिभा और बहुआयामी समुद्री संचालन के लिए डिजाइन किया गया है। जहाज का हथियार सूट विश्वस्तरीय है, जिसमें सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और एक विशेष पनडुब्बी रोधी युद्धक सूट है। इन प्रणालियों को अत्याधुनिक कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से मूल रूप से एकीकृत किया गया है, जिससे चालक दल सटीकता के साथ खतरों का जवाब दे सकता है। स्टेल्थ फ्रिगेट का लचीला मिशन प्रोफाइल इसे उच्च-तीव्रता वाले मुकाबले से लेकर मानवीय सहायता और आपदा राहत तक के लिए आदर्श बनाता है।

कैप्टन मधवाल ने कहा कि हमारी नौसेना चाहे फारस की खाड़ी हो या मलक्का स्ट्रेट, हिंद महासागर में लगातार अपनी मौजूदगी बनाए रखती है। जब भी कोई संकट आता है, चाहे वह निकासी ऑपरेशन हो या मानवीय सहायता देना हो, हमारी नेवी हमेशा सबसे आगे रहती है। हमारी नौसेना भारत के मूल्यों और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आईएनएस महेन्द्रगिरी की कमीशनिंग से हमारी नौसेना की ताकत, मूल्यों और प्रतिबद्धता को और मजबूती मिलेगी। हमें सिर्फ अपने किनारों को सुरक्षित करने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि जरूरी समुद्री रास्तों, चोक पॉइंट्स और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा भी पक्की करनी चाहिए।

भारतीय नौसेना ने पिछले साल से अब तक 12 जहाज, एक सबमरीन और एक एयरक्राफ्ट स्क्वाड्रन को कमीशन किया है। अपनी मजबूत लड़ाई की क्षमताओं के साथ महेन्द्रगिरी भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। इस जहाज में 75 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री है।

संक्षिप्त समाचार

लाल किला विस्फोट केस में एनआईए ने 11 मृतकों की फोरेंसिक रिपोर्ट कोर्ट में पेश की

नई दिल्ली, 06 जुलाई (हि.स.)। पटियाला हाउस कोर्ट में सोमवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने लाल किला विस्फोट में मारे गए 11 लोगों से संबंधित फोरेंसिक रिपोर्ट दाखिल की। प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज पीतांबर दत्त ने इस फोरेंसिक रिपोर्ट पर 13 जुलाई को सुनवाई करने का आदेश दिया। कोर्ट ने आज इस मामले के नौ आरोपितों की न्यायिक हिरासत 13 जुलाई तक बढ़ाने का आदेश दिया। इसके पहले 27 जून को एनआईए ने पूरक चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें तीन नये लोगों को आरोपित बनाया था। पूरक चार्जशीट दाखिल होने के बाद इस मामले में कुल 13 आरोपित हो गए हैं। पूरक चार्जशीट में एनआईए ने जमीर अहमद अहंगर, तुफैल अहम भट्ट और मुजफ्फर अहमद ऊर्फ फराज ऊर्फ जफर को आरोपित बनाया है। तीनों जम्मू के रहने वाले हैं। इस मामले में एनआईए ने पहली चार्जशीट 14 मई को दाखिल की थी। पहली चार्जशीट में दस लोगों को आरोपित बनाया गया था। एनआईए के मुताबिक इस विस्फोट में 11 लोगों की मौत हुई थी। करीब 7500 पेजों की चार्जशीट में एनआईए ने बम ब्लास्ट करने वाले उमर उन नबी (मृतक) को भी आरोपित बनाया है। एनआईए के मुताबिक 10 नवंबर, 2025 को लाल किले के बाहर हुए कार बम विस्फोट की योजना उमर उन नबी ने बनाई थी। उमर उन नबी की मौके पर ही मौत हो गई थी। एनआईए ने आरोपित दानिश को श्रीनगर से गिरफ्तार किया था। एनआईए के मुताबिक दानिश ने ड्रोन में तकनीकी बदलाव किए थे और कार बम विस्फोट से पहले रॉकेट तैयार करने की कोशिश की। एनआईए के मुताबिक दानिश ने उमर उन नबी के साथ मिलकर पूरी साजिश को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई। एनआईए के मुताबिक राजनीति विज्ञान में स्नातक दानिश को आत्मघाती हमलावर बनाने के लिए उमर ने ब्रेनवाश किया। वह अक्टूबर, 2024 में कुलगाम की एक मस्जिद में डॉक्टर मॉड्यूल से मिलने को तैयार हुआ, जहां से उसे हरियाणा के फरीदाबाद में अल फलाह विश्वविद्यालय में रहने के लिए ले जाया गया। लाल किले के पास 10 नवंबर, 2025 को आई-10 कार में विस्फोट हुआ था। ये कार आमिर रशीद अली के नाम पर थी।

फर्जी आधार, वोटर आईडी और जाति प्रमाणपत्र बेचने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफतार

नई दिल्ली, 06 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) यूनिट ने फर्जी सरकारी दस्तावेज तैयार कर ऑनलाइन बेचने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान विदेशी साव और संतोष कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपित वेबसाइट के माध्यम से फर्जी पहचान संबंधी दस्तावेज तैयार कर ऑनलाइन बेच रहे थे। जांच में सामने आया कि गिरोह ऑनलाइन भुगतान लेकर आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, पैन से जुड़े दस्तावेज, निवास प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र, जन्म प्रमाणपत्र, मृत्यु प्रमाणपत्र समेत कई अन्य सरकारी दस्तावेजों जैसे दिखने वाले फर्जी रिकॉर्ड तैयार कर ग्राहकों तक पहुंचाता था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपितों ने फर्जी दस्तावेज तैयार करने और उनकी ऑनलाइन बिक्री के लिए एक सुव्यवस्थित नेटवर्क बना रखा था। ये दस्तावेज देखने में इतने असली लगते थे कि पहली नजर में सरकारी विभागों द्वारा जारी किए गए वास्तविक दस्तावेजों से अंतर कर पाना मुश्किल था। पुलिस का कहना है कि ऐसे फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल पहचान चोरी (आइडेंटिटी थेफ्ट), किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर फर्जी पहचान बनाकर धोखाधड़ी (इम्पर्सनेशन), बैंक और वित्तीय धोखाधड़ी, सरकारी योजनाओं का गलत लाभ उठाने तथा फर्जी दस्तावेजों के आधार पर असली सरकारी दस्तावेज हासिल करने जैसे गंभीर अपराधों में किया जा सकता था। स्पेशल सेल अब इस बात की जांच कर रही है कि इस गिरोह ने अब तक कितने फर्जी दस्तावेज तैयार किए, इसके ग्राहक किन-किन राज्यों में फैले हैं और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की क्या भूमिका है। पुलिस वेबसाइट के तकनीकी संचालन, भुगतान के माध्यम और डिजिटल साक्ष्यों की भी जांच कर रही है, ताकि पूरे गिरोह का पदार्फाश किया जा सके।

पोस्को एक्ट के सभी मामलों पर तुरंत कार्रवाई और सभी स्कूलों में बाल संरक्षण समितियों के गठन का निर्देश

नई दिल्ली, 06 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सोमवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त को पोस्को एक्ट के तहत दर्ज सभी मामलों में संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल के साथ त्वरित और पूरी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित उपायों को न केवल 'बाल संरक्षण माह' के दौरान, बल्कि हमेशा प्राथमिकता के तौर पर लागू किया जाए। दिल्ली के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को लोक निवास में जुलाई महीने के दौरान मनाए जा रहे बाल संरक्षण माह के अंतर्गत चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों, अभियानों और सुरक्षा उपायों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में बच्चों की सुरक्षा को लेकर शिक्षा विभाग, दिल्ली पुलिस और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों का विस्तृत आकलन किया गया और सभी विभागों को तय समयसीमा के भीतर प्रभावी ढंग से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए। इस समीक्षा बैठक में दिल्ली के मुख्य सचिव, पुलिस आयुक्त, शिक्षा सचिव, महिला एवं बाल विकास सचिव, शिक्षा निदेशालय और महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशक, डीसीपी (एसपीयूडब्ल्यूएसी) और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़े सभी कार्यक्रम केवल जुलाई महीने तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें सभी संस्थानों की नियमित और स्थायी व्यवस्था का हिस्सा बनाया जाए। बैठक में यह भी बताया गया कि दिल्ली सरकार के सभी विद्यालयों में पॉक्सो अधिनियम के अनुरूप बाल संरक्षण समितियों का गठन किया जा चुका है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जुलाई के अंत तक दिल्ली के सभी 5,633 विद्यालयों में ऐसी समितियों का गठन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि लगभग एक हजार शिक्षा एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन परामर्शदाता दिल्ली सरकार के विद्यालयों में बच्चों को सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श, लैंगिक संवेदनशीलता तथा व्यक्तिगत सीमाओं के बारे में जागरूक कर रहे हैं। इस पर निर्देश दिए गए कि राजधानी के प्रत्येक विद्यालय में ऐसे परामर्शदाताओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

दिल्ली में कथित स्वास्थ घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी ने एलएनजेपी अस्पताल के बाहर किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, 06 जुलाई (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पार्टी कार्यकताओं के साथ मिलकर सोमवार को राजधानी के लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल के बाहर दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग में 650 करोड़ रुपये के कथित दवा घोटाले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में आआपा के बुराड़ी से विधायक एवं प्रवक्ता संजीव झा और विधायक कुलदीप कुमार भी उपस्थित रहें। प्रदर्शन के दौरान सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाते हुए कहा कि 650 करोड़ रुपये का घोटाला हो गया और सारे घोटाले का असली गुनहगार राजीव रंगीला है वही सारे घोटाले का मास्टरमाइंड है जिसे एक महीने पहले एसीबी ने भगा दिया और उसके जगह पर अब छोटेझमोटे लोगों को गिरफ्तार करके खानापूर्ति कर रही है सरकार। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आआपा के नेता लगातार पत्रकार वार्ता कर रहे है और राजीव रंगीला की गिरफ्तारी की मांग कर रहे है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता जानना चाहती है कि आखिर 650 करोड़ रुपये के घोटाले के लिए जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ मुख्यमंत्री कार्रवाई क्यों नहीं कर रही?

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार अमर हैं, कोई सत्ता उन्हें समाप्त नहीं कर सकती : नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 06 जुलाई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर राजधानी में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। सुबह शहीदी पार्क स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि और वृक्षारोपण कार्यक्रम हुआ, जबकि शाम को सिविक सेंटर स्थित केदारनाथ साहनी सभागार में युवा सम्मेलन एवं व्याख्यानमाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने डॉ. मुखर्जी के जीवन, राष्ट्रवाद, जम्मू-कश्मीर और भारतीय राजनीति में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत का इतिहास असंख्य देशभक्तों और बलिदानियों की गाथाओं से भरा है और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उनमें अग्रणी स्थान रखते हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी के पिता सर आशुतोष मुखर्जी एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद थे और शिक्षा को आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने की उनकी सोच का प्रभाव डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व पर भी पड़ा। उन्होंने शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया। स्वतंत्रता के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें अपने मंत्रिमंडल में उद्योग मंत्री बनाया, जहां उन्होंने देश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में नीतिगत आधार तैयार किया।

गडकरी ने कहा कि विभाजन के बाद कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति और जम्मू-कश्मीर को दिए गए विशेष प्रावधानों का डॉ. मुखर्जी ने खुलकर विरोध किया। उन्होंने सवाल उठाया कि एक ही देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान कैसे हो सकते हैं। उस समय कश्मीर जाने के लिए परमिट की आवश्यकता होती थी, जिसे उन्होंने देश की एकता और अखंडता के विरुद्ध बताया। इसी मुद्दे पर उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दिया और राष्ट्रवाद को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी कश्मीर में परमिट व्यवस्था के विरोध में निकले, लेकिन उन्हें गिरफ्तार कर जेल में रखा गया और वहीं उनकी मृत्यु हो गई। गडकरी ने कहा कि उनकी मृत्यु राष्ट्रवादी विचारधारा के लिए बड़ा आघात थी, लेकिन विचारों को समाप्त नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा, कोई भी सत्ता किसी व्यक्ति को नष्ट कर सकती है, किसी व्यवस्था को नष्ट कर सकती है, लेकिन किसी के विचारों को नहीं। डॉ.

मुखर्जी के विचार आज भी जीवित हैं और देश को दिशा दे रहे हैं।

गडकरी ने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद पर भी अपनी बात रखते हुए कहा कि हिंदुत्व कोई संकीर्ण धार्मिक अवधारणा नहीं, बल्कि जीवन पद्धति है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय और स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति सभी मतों और पंथों का सम्मान करना सिखाती है। उन्होंने कहा कि भगवान राम और भगवान कृष्ण के प्रति जितनी श्रद्धा है, उतनी ही भगवान महावीर और गौतम बुद्ध के प्रति भी है, क्योंकि भारतीय परंपरा व्यक्ति को उसके गुणों के आधार पर सम्मान देती है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 125 वर्ष बाद भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद किया जाना इस बात का प्रमाण है कि उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद देश कैसा होना चाहिए, इस दृष्टि को स्पष्ट रूप से सामने रखने वाले नेताओं में डॉ. मुखर्जी प्रमुख थे। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अलग झंडे और अलग व्यवस्था का विरोध किया तथा ह्यएक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चलेंगेह्न का उद्घोष किया।

रेखा गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देकर देश की एकता को कमजोर किया, जबकि डॉ. मुखर्जी ने इसके खिलाफ संघर्ष करते हुए अपना जीवन बलिदान कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटाकर डॉ. मुखर्जी के सपने को साकार किया गया। आज देश एक ध्वज और एक संविधान के सिद्धांत पर आगे बढ़ रहा है और यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी आधुनिक भारत के उन विरले नेताओं में थे जिन्होंने विद्या, वैचारिक स्पष्टता और राष्ट्रभक्ति को एक साथ जिया। उन्होंने बताया कि मात्र 33 वर्ष की आयु में वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बने थे और कई भाषाओं के विद्वान थे। स्वतंत्र भारत की पहली सरकार में मंत्री रहने के बावजूद उन्होंने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। मल्होत्रा ने कहा कि 1950 में नेहरू-लियाकत समझौते का विरोध करते हुए उन्होंने मंत्री पद छोड़ दिया। उन्होंने दावा किया कि इस्तीफे के समय डॉ. मुखर्जी ने कहा था कि वे मंत्री पद छोड़ सकते हैं, लेकिन राष्ट्रधर्म नहीं। इसके बाद उन्होंने 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जिसने आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी का रूप लिया। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का पूरा जीवन राष्ट्र प्रथम की भावना का उदाहरण है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों पर चलकर राष्ट्र निर्माण का संकल्प लें: प्रो. रामेश्वर मिश्र पंकज

नई दिल्ली, 6 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 126वीं जयंती की पूर्व संध्या पर विठ्ठल भाई पटेल भवन स्थित डिप्टी स्पीकर हॉल में भारतीय जनसंघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रवाद, सनातन संस्कृति और जनसंघ की विचारधारा पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत भूषण पांडेय ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में प्रख्यात चिंतक एवं विद्वान प्रो. रामेश्वर मिश्र पंकज उपस्थित रहे।

प्रो. रामेश्वर मिश्र पंकज ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक महान राष्ट्रभक्त ही नहीं, बल्कि भारतीय जनसंघ की स्थापना के मूल प्रेरणास्रोत भी थे।

उन्होंने कहा कि देश में राष्ट्रवादी विचारों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डॉ. मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना का विचार रखा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सरसंघचालक गुरु गोलवलकर ने इस पहल का समर्थन करते हुए कई समर्पित स्वयंसेवकों को उनके साथ जोड़ा।

उन्होंने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, बलराज मधोक और नानाजी देशमुख

जनसंघ ने यदि पुरुषार्थ और तप किया तो भाजपा के विकल्प के रूप में उभर सकता है

जैसे राष्ट्रनिष्ठ कार्यकताओं ने जनसंघ की नींव को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि प्रारंभ से ही जनसंघ का उद्देश्य अखंड भारत, गोवंश संरक्षण, भारतीय संस्कृति की रक्षा और राष्ट्रीय चेतना का विस्तार रहा है।

प्रो. पंकज ने कहा कि संस्कृति का वास्तविक अर्थ धर्म से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की संस्कृति पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने वाली शक्ति है और जनसंघ का मूल उद्देश्य धर्म आधारित राष्ट्र व्यवस्था की स्थापना था।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बदलने के साथ समाजवाद की विचारधारा कमजोर हुई है और आज समाजवादी राजनीति का भविष्य सीमित दिखाई देता है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि समय के साथ पार्टी की वैचारिक दिशा बदली और देश की जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से उसका विकल्प चुना। प्रो. पंकज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व केवल किसी संगठन की शक्ति का परिणाम नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना की अभिव्यक्ति है। उन्होंने दावा किया कि भारत में राष्ट्रवादी विचारधारा का प्रभाव आने वाले वर्षों में और मजबूत होगा।

अपने संबोधन के समापन में उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का विकल्प भी भविष्य में कोई ऐसी राजनीतिक शक्ति ही बन सकती है, जो सनातन मूल्यों और भारतीय संस्कृति से प्रेरित हो।

उन्होंने कहा कि यदि भारतीय जनसंघ अगले दस वर्षों तक पुरुषार्थ, संगठन और तपस्या के मार्ग पर कार्य करता है तो उसके सामने सफलता के व्यापक अवसर हैं और वह भविष्य में भाजपा के विकल्प के रूप में स्थापित हो सकता है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनसंघ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े बुद्धिजीवी उपस्थित रहे। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई तथा उनके राष्ट्रवादी विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

बजरंग दल के सेवा सप्ताह का शुभारंभ, यमुना घाट पर चला वृहद स्वच्छता अभियान

नई दिल्ली (दिव्य भारत ब्यूरो)। विश्व हिंदू परिषद के बजरंग दल (दिल्ली प्रांत/इंद्रप्रस्थ प्रांत) ने शनिवार को सेवा सप्ताह-2026 का शुभारंभ यमुना नदी के आईटीओ स्थित घाट पर वृहद स्वच्छता अभियान के साथ किया। अभियान के तहत दिल्ली के सभी 30 जिलों से पहुंचे 200 से अधिक कार्यकताओं ने श्रमदान करते हुए घाट और आसपास के क्षेत्र से कूड़ा-कचरा एवं प्लास्टिक हटाकर स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रांत संगठन मंत्री सुबोध चंद ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। स्वयंसेवकों ने झाड़ू, दस्ताने और अन्य स्वच्छता उपकरणों के साथ यमुना

5 से 12 जुलाई तक दिल्ली के सभी जिलों में होंगे सेवा, स्वच्छता और वृक्षारोपण कार्यक्रम

घाट की सफाई कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। बजरंग दल के प्रांत संयोजक जगजीत सिंह गोल्डी ने कहा कि सेवा सप्ताह के तहत पूरे भारत में विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यमुना घाट की सफाई के बाद इसी क्षेत्र में बड़े स्तर पर वृक्षारोपण अभियान भी चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 5 से 12 जुलाई तक दिल्ली के सभी नगरों, प्रखंडों और जिलों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और समाजसेवा से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बजरंग दल के सह-प्रांत संयोजक कुलदीप चौहान ने कहा कि सेवा सप्ताह के दौरान संगठन के कार्यकर्ता दिल्ली के प्रत्येक प्रमुख मंदिर, बस्ती और मोहल्ले में जाकर स्वच्छता एवं जनसेवा के कार्यक्रम चलाएंगे। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी, जिला संयोजक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। स्वच्छता अभियान के दौरान भजन-कीर्तन और राष्ट्रभक्ति के नारों के बीच सेवा कार्य संपन्न हुआ। संगठन ने इसे समाज में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सेवा भावना को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

ड्यूटी के दौरान सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर ने दी जान, कमरे से मिला सुसाइड नोट, प्रेम प्रसंग में तनाव की बात

नई दिल्ली, 06 जुलाई (हि.स.)। उत्तरी दिल्ली के अरुणा आसफ अली अस्पताल में तैनात एनेस्थीसिया विभाग के सीनियर रेजिडेंट डॉ. सिमरप्रीत सिंह आनंद (35) ने ड्यूटी के दौरान कथित रूप से एनेस्थीसिया की ओवरडोज लेकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को उनके कमरे से तीन पन्नों का सुसाइड नोट, सिरिंज और दवा की खाली शीशी मिली है। मामले की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, मूल रूप से लुधियाना (पंजाब) निवासी डॉ. सिमरप्रीत पिछले तीन वर्षों से अस्पताल में कार्यरत थे। शनिवार रात आठ बजे से रविवार सुबह आठ बजे तक उनकी ड्यूटी थी। ड्यूटी के दौरान वह कमरे में चले गए। सुबह शिफ्ट समाप्त होने पर जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने स्टाफ की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा तो डॉक्टर अचेत अवस्था में मिले। उन्हें तुरंत इमरजेंसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस को डॉक्टर के बाएं हाथ में कैनुला लगा मिला। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि उन्होंने इसी के जरिए एनेस्थीसिया की घातक मात्रा ली। कमरे से बरामद तीन पन्नों के सुसाइड नोट में उन्होंने अपनी इच्छा से आत्महत्या करने की बात लिखी है। पुलिस के अनुसार नोट में उन्होंने अस्पताल की एक महिला डॉक्टर से प्रेम संबंध का जिक्र करते हुए लिखा है कि अलग जाति होने के कारण परिवार शादी के लिए तैयार नहीं था। उन्होंने अपनी मृत्यु के बाद अपना सामान संबंधित महिला डॉक्टर को सौंपने का भी अनुरोध किया है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि ड्यूटी पर पहुंचने के बाद उन्होंने अपने टेक्निकल असिस्टेंट से यह कहकर हाथ में कैनुला लगवाया था कि उन्हें दवा लेनी है। वहीं, मृतक के एक रिश्तेदार ने महिला डॉक्टर पर हत्या का आरोप लगाया है, लेकिन पुलिस का कहना है कि कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था और कोई दूसरा रास्ता नहीं था। पुलिस ने विसरा सुरक्षित रख लिया है।

गूगल ने हाई कोर्ट में कहा- यूट्यूब की हर वीडियो रिकॉर्डिंग पर नजर रखना संभव नहीं

नई दिल्ली, 06 जुलाई (हि.स.)। सर्च इंजन गूगल ने दिल्ली उच्च न्यायालय में दाखिल हलफनामे में कहा है कि उसके लिए ये संभव नहीं है कि वो यूट्यूब पर कोर्ट की कार्यवाही के अनधिकृत रिकॉर्डिंग और उसके अपलोड या शेयर करने पर नजर रख सके।

गूगल ने ये हलफनामा एक वकील की ओर से दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी के दूसरे नेताओं और पत्रकार रवीश कुमार के खिलाफ जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच में हुई सुनवाई के वीडियो अपलोड करने पर कोई की अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मांग करने वाली याचिका के जवाब में दाखिल किया है। गूगल ने कहा है कि किसी सोशल मीडिया को अनधिकृत रिकॉर्डिंग को दोबारा अपलोड करने से रोकना कानून सम्मत नहीं है, क्योंकि ऐसे आदेश का पालन होना लगभग असंभव है। गूगल ने कहा है कि ऐसे रिकॉर्डिंग यूट्यूब से बाहर किए जाते हैं और उसके लिए ये पता करना असंभव है कि वीडियो में कोर्ट की कार्यवाही है या नहीं। गूगल ने कहा है कि वो ये भी पता नहीं लगा पाएगी कि रिकॉर्डिंग अनधिकृत है या नहीं। गूगल ने कहा कि इस मसले पर देश भर की अदालतों ने अगल-अगल फैसले दिए हैं। गूगल ने कहा है कि वो उन्हीं वीडियो को हटा सकता है, जिनके यूआरएल या वेबलिंक बताए जाएं। बताए गए वीडियो के यूआरएल या वेबलिंक के अलावा करोड़ों वीडियो गूगल पर होते हैं, जिन्हें मानीटर करना असंभव है। दरअसल, याचिका में दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से केजरीवाल को बरी करने के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका पर सुनवाई से जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को हटाने की मांग की सुनवाई के वीडियो रिकॉर्ड कर उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करने पर आपत्ति जताई गई है। याचिका में केजरीवाल और रवीश कुमार के अलावा कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह, आम आदमी पार्टी के मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, संजीव झा, पूरनदीप साहनी, जरनैल सिंह, मुकेश अहलावत और विनय मिश्रा के खिलाफ कोर्ट की अवमानना की कार्रवाई करने की मांग की गई है। याचिका में मांग की गई है कि कोर्ट की कार्यवाही का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से हटाए जाएं। याचिका में केजरीवाल पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने कोर्ट में बिना आधार के भ्रामक दलीलें दी।

भविष्यफल

मेष : सुख-आनंद कारक समय है। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-4-5-6

वृष : शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-4-6-7

मिथुन : नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। शुभांक-4-6-7

कर्क : आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-7-9

सिंह : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-3-5-8

कन्या : आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-5-7

तुला : स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-2-6-8

वृश्चिक : आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-3-6-8

धनु : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

मकर : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-3-5-6

कुम्भ : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

मीन : ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

नाटो की बैठक से पहले दहल उठा यूक्रेन, कीव पर रूस ने किया सबसे बड़ा हमला

रूस ने किया 68 मिसाइलों व 351 ड्रोन्स से हमला, 21 लोगों की मौत, 56 घायल

रूस ने कहा, ये हमला यूक्रेन की तरफ से हाल में किए हमले का जवाब था

● कीव / (एजेंसी)

नाटो की 7-8 जुलाई को होने वाली बैठक से ठीक पहले सोमवार को रूस ने यूक्रेन पर बड़ा हमला किया। रूस ने 68 मिसाइलों और 351 ड्रोन्स से यूक्रेन को दहला दिया। 21 लोगों की मौत हुई। 56 अन्य लोग घायल हुए हैं। नाटो नेताओं की शिखर बैठक 7 और 8 जुलाई को तुर्की के अंकारा में होना है। रविवार को ही रूस के विदेश मंत्रालय ने बताया कि 4 जुलाई को ट्रम्प और पुतिन की 90 मिनट तक बात हुई है और उसमें ट्रम्प ने यूक्रेन युद्ध में मध्यस्थता करने की फिर से इच्छा जताई है। रूस की छोड़ी गई सभी बैलिस्टिक मिसाइलें अपने लक्ष्य पर पर लगीं।

इससे साफ है कि कीव को और ज्यादा पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की आवश्यकता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की नाटो समिट में शायद ये मामला जोरदार तरीके से उठाएंगे। यह हमला जेलेंस्की की उस चेतावनी के कुछ ही घंटों बाद हुआ, जिसमें उन्होंने कहा था कि जल्द ही बड़े पैमाने पर हमला होने वाला है। जेलेंस्की के मुताबिक, 56 और लोग घायल हुए हैं। 21 लोगों की मौत हुई। बचावकर्मी उन दो जगहों पर मलबे में बचे हुए लोगों की तलाश कर रहे थे जहां रिहायशी ऊंची इमारतों पर सीधे मिसाइलें गिरी थीं। कुछ दिन पहले, गुरुवार को कीव में रूस के हमले में 31 लोग मारे गए थे।

कीव में मौजूद हथियार बनाने वाली फैक्टरियां निशाने पर

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस हमले में कीव में मौजूद हथियार बनाने वाली फैक्टरियों को निशाना बनाया गया। इनमें वे जगहें भी शामिल थीं, जहां ड्रोन, समुद्री ड्रोन, बख्तरबंद गाड़ियां और मिसाइलें बनती हैं, साथ ही शहर और आस-पास के इलाकों में एयर डिफेंस सिस्टम की मरम्मत करने वाली जगहें और ईंधन व ऊर्जा से जुड़ी अधोसंरचना भी शामिल थे। इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी. माना जा रहा है कि रूस ट्रम्प की तरफ से मध्यस्थता करने से पहले यूक्रेन को ज्यादा से ज्यादा दबाव में लाना चाहता है।

पीएम मोदी पहुंचे इंडोनेशिया, फाइटर जेट्स ने आसमान में किया स्वागत

दोनों देशों के बीच यह यात्रा रक्षा समेत कई संबंधों को मजबूत करेगी

● जकार्ता / (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता पहुंचे। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने खुद एयरपोर्ट पर पहुंचकर उनका स्वागत किया। पीएम मोदी के विमान को जब भारतीय हवाई क्षेत्र से इंडोनेशियाई हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया, तब इंडोनेशियाई वायुसेना के फाइटर जेट्स ने उन्हें एस्कॉर्ट किया। यह भव्य स्वागत दोनों देशों के बीच गहरी दोस्ती और बढ़ते रणनीतिक महत्व को दर्शाता है। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और पीएम मोदी के बीच व्यक्तिगत स्तर पर अच्छी बनती है। प्रबोवो के राष्ट्रपति बनने के बाद यह मोदी की पहली अहम यात्रा है।

जल्द द्विपक्षीय वार्ता करेंगे दोनों नेता: एयरपोर्ट पर औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर और पारंपरिक स्वागत समारोह हुआ। दोनों नेता जल्द ही द्विपक्षीय वार्ता करेंगे जिसमें रक्षा, व्यापार, ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दे शामिल होंगे। इंडोनेशिया दक्षिण-पूर्व एशिया का सबसे बड़ा देश है। यह आबादी, अर्थव्यवस्था और भौगोलिक स्थिति के मामले में अहम है। भारत और इंडोनेशिया दोनों ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र में प्रमुख शक्तियां हैं। दोनों देश समुद्री सुरक्षा, फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक और बहुपक्षीय सहयोग पर एक साथ काम कर रहे हैं। चीन की बढ़ती गतिविधियों के बीच यह साझेदारी और भी प्रासंगिक हो गई है। पीएम मोदी के विमान को फाइटर जेट्स द्वारा एस्कॉर्ट करना सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि रक्षा सहयोग का प्रतीक है। दोनों देश पहले से ही संयुक्त सैन्य अभ्यास करते हैं. इंडोनेशिया भारतीय हथियारों और प्रौद्योगिकी में रुचि रखता है। ब्रह्मोस मिसाइल, तेजस विमान और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ने की संभावना है। यह यात्रा रक्षा साझेदारी को और गहरा बनाने का मौका देगी।

व्यापार और आर्थिक संबंध : दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है। इंडोनेशिया पाम ऑयल, कोयला, निकल और अन्य खनिजों का बड़ा निर्यातक है। भारत इन संसाधनों का बड़ा आयातक है। इसके अलावा, आईटी, फार्मा, कृषि और स्टार्टअप क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। इस यात्रा में व्यापार को बढ़ावा देने वाले नए समझौतों पर चर्चा हो सकती है।

यात्रा का उद्देश्य: भारत हिंद-प्रशांत देशों से मजबूत कर रहा संबंध

यह यात्रा पीएम मोदी की अहम विदेश यात्राओं की श्रृंखला का हिस्सा है। भारत वैश्विक दक्षिण का नेता बन रहा है और पड़ोसी तथा हिंद-प्रशांत देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है। प्रबोवो सरकार भी भारत को महत्वपूर्ण भागीदार मानती है। दोनों नेता जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा और बहुपक्षीय सुधार जैसे वैश्विक मुद्दों पर भी अपनी बात रखेंगे। इस यात्रा से उम्मीद है कि भारत-इंडोनेशिया संबंध नई ऊंचाइयों को छुएंगे। रक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक सहयोग में ठोस प्रगति होगी। दोनों देश मिलकर क्षेत्रीय चुनौतियों का सामना करेंगे और शांतिपूर्ण हिंद-प्रशांत की रक्षा करेंगे। पीएम मोदी का जकार्ता स्वागत भारत-इंडोनेशिया दोस्ती का सुंदर उदाहरण है। फाइटर जेट एस्कॉर्ट और राष्ट्रपति का व्यक्तिगत स्वागत दोनों देशों के गहरे विश्वास को दिखाता है। यह यात्रा न सिर्फ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगी, बल्कि पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता में भी योगदान देगी।

ब्रीफ न्यूज

थाईलैंड में मिलीं करीब 2000 साल पुरानी भारतीय सोने की अंगूठियां

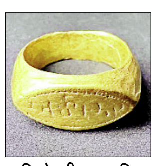

बैंकॉक, आरएनएन। थाईलैंड के पुरातत्वविदों को पेटचाबुरी प्रांत की पुरातात्विक साइट पर खुदाई के दौरान दो पुरानी भारतीय सोने की अंगूठियां मिली हैं। ये अंगूठियां 1,900 से 2,100 साल पुरानी हैं। यह खोज बान लाट जिले की पुरातात्विक साइट पर की गई, जहां रिसर्चर पुरानी कब्रों के अवशेष और दूसरी ऐतिहासिक चीजें खोदकर निकाल रहे हैं। अंगूठी पर प्राचनी ब्राह्मी लिपी में है। जानकारों का मानना है कि यह अंगूठी शायद किसी भारतीय व्यापारी समुदाय के व्यापारी की रही होगी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि: मुस्लिम पक्ष को मेवात में 10 एकड़ भूमि का प्रस्ताव

मथुरा, आरएनएन। श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद को अदालत के बाहर सुलझाने की दिशा में एक नया प्रस्ताव सामने आया है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास ने मुस्लिम पक्ष के समक्ष विवादित भूमि छोड़ने के बदले हरियाणा के मेवात में 10 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने तथा वहां नई मस्जिद के निर्माण का पूरा खर्च वहन करने की पेशकश की है। न्यास के अध्यक्ष पंडित दिनेश फलाहारी महाराज ने इस संबंध में सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी के सचिव तनवीर अहमद को अलग-अलग पत्र भेजे हैं।

गैंगस्टर शहजाद गिरोह के दो मॉड्यूल का भंडाफोड़, 6 अरेस्ट

नई दिल्ली, आरएनएन। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने गैंगस्टर शहजाद भट्टी से जुड़े पाक समर्थित दो कथित मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से पेट्रोल बम, पिस्तौल और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। एक मॉड्यूल को पाक स्थित आकाओं ने पेट्रोल बम का उपयोग कर दिल्ली में आतंकी हमला करने का काम सौंपा था, जबकि दूसरा कथित तौर पर ड्रोन से सीमा पार से भारत में तस्करी किए गए हथियारों को प्राप्त करने और उन्हें बेचने में शामिल था। आरोपियों को शहजाद भट्टी के पाक स्थित सहयोगियों द्वारा निर्देशित किया जा रहा था।

हमास, हिज्बुल्लाह, हूती, जनाजे में सभी मौजूद

एक्सिस ऑफ रेसिस्टेंस: अंतिम संस्कार में दुनिया को दिखाया ट्रिपल एच का पावर

● तेहरान / (एजेंसी)

ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार को केवल एक धार्मिक या राजकीय कार्यक्रम मानना भूल होगी।

तेहरान में आयोजित समारोह ने पश्चिम एशिया की राजनीति को एक बार फिर यह याद दिला दिया कि हालिया युद्धों, हवाई हमलों और सैन्य दबाव के बावजूद ईरान का एक्सिस ऑफ रेसिस्टेंस अभी खत्म नहीं हुआ है। खामेनेई के अंतिम संस्कार में ईरान ने ट्रिपल एच का पावर दुनिया को दिखाया है। ट्रिपल एच यानी कि हमास, हिजबुल्लाह और हूती। ईरान वॉर और गाजा जंग के बाद दुनिया को ये एहसास होने लगा था कि हमास, हिज्बुल्लाह और हूती की ताकत ढह गई है। लेकिन खामेनेई के जनाजे में हमास, हिज्बुल्लाह और हूती विद्रोहियों की मौजूदगी सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बनी रही।

हिज्बुल्लाह, हमास व हूती ने किसे भेजा

हिज़्बुल्लाह के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई वरिष्ठ अधिकारी और पूर्व मंत्री मोहम्मद वऊनीश ने की और इसमें मारे गए और घायल सदस्यों के अधिकारी और परिवार वाले भी शामिल थे। वहीं हमास के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उसके राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख मो. दरविश ने किया और इसमें बासेम नईम जैसे ब्यूरो के अन्य सदस्य भी शामिल थे। तेहरान में हमास के सहयोगी इस्लामिक जिहाद के नेता जियाद अल-नखाला और हूती ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य ज़ैफ अल्लाह अल-शामी भी शामिल हुए।

पीओके के प्रदर्शनकारियों ने भारत से लगाई मानवीय मदद की गुहार

जेएएसी नेता सरदार खान ने की एलओसी खोलने की मांग

● नई दिल्ली / (हि.स.)

पीओके में विरोध प्रदर्शन और तेज हो गया है तथा पाक सुरक्षाबलों की जारी कार्रवाई के बावजूद जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने बड़े स्तर पर प्रदर्शन करने का आह्वान किया है।

पूरे क्षेत्र में बंद के दौरान कई इलाकों, विशेष रूप से मीरपुर जिले में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़पों में पुलिसकर्मियों समेत करीब दसियों लोग घायल हो गए। आंदोलन के 33वें दिन रावलकोट में रैली संबोधित करते हुए जेएएसी के नेता सरदार अमान खान ने भारत से मानवीय मदद की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि पीओके के निवासी भोजन, आवश्यक वस्तुओं की कमी का सामना कर रहे हैं। हमें भारत की मदद की जरूरत है। यहां राशन की किल्लत है... और हमें आपकी मदद चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने एलओसी के दूसरी तरफ पुंछ, मेंढर, राजौरी और डोडा के लोगों से पीओके प्रदर्शनकारियों का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने नियंत्रण रेखा खोलने की भी मांग की और कहा कि सीमा पार आवाजाही आसान होने से मानवीय स्थिति को सुधरेगी।

भारत ने बगलिहार डैम से छोड़ा पानी

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारत ने हाल ही में अपने इस संकल्प को दोहराया है कि सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) तब तक रुकी रहेगी, जब तक पाक सीमा-पार आतंकवाद की नीति नहीं छोड़ता। तब सूखे से पाक का गला सूख रहे था। लेकिन, दो-तीन दिन में ही हालात बदल गए हैं। जम्मू और कश्मीर में भारी बारिश की वजह से भारत को बगलिहार डैम से अचानक पानी छोड़ना पड़ा है। ऐसे में अब पाक की क्या हालत होने वाली है?

चिनाब में आई भयानक बाढ़

जम्मू और कश्मीर के रामबन जिले में प्रशासन ने सोमवार को बगलिहार डैम के तीन गेट खोलकर पानी छोड़ दिया है। दरअसल, डोडा-किश्तवार क्षेत्र में लगातार भारी बारिश हो रही है, जिसकी वजह से चिनाब नदी का जल स्तर बहुत बढ़ गया है। रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने बताया कि बगलिहार डैम के गेट चिनाब नदी में पानी के दबाव को कम करने के लिए खोलने पड़े हैं। यह भी बताया गया है कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है।

फ्रांस के म्यूजियम से 40 लाख यूरो की ज्वेलरी चोरी

● पेरिस / (हि.स.)।

फ्रांस के लालिक म्यूजियम में रविवार सुबह चोरों ने बड़ी चोरी को अंजाम दिया। जहां हाई सिक्योरिटी के बावजूद दरवाजा तोड़कर घुसे चोरों ने म्यूजियम से करीब 20 आभूषण चोरी कर ले गए। चोरी की गई आभूषणों की कीमत करीब 40 यूरो (करीब 40 करोड़ रुपए) है।

दरवाजा तोड़ घुसे चोर

चोरों ने पूर्वोत्तर फ्रांस के विंगेन-सुर-मोडर स्थित प्रसिद्ध ललिक म्यूजियम स्थानीय समयानुसार रविवार सुबह 5:30 बजे दरवाजा तोड़कर घुसे और सीधे आभूषण कक्ष में पहुंचे। इसके बाद चोरों ने करीब 20 क्रिस्टल आभूषण लेकर फरार हो गए। फिलहाल नुकसान का आकलन किया जा रहा है और चोरों को पकड़ने के लिए जांच जारी है।

श्रीलंका के नेगोंबो जेल में भड़की हिंसा 25 लोगों की मौत, 100 से ज्यादा घायल

● कोलंबो / (एजेंसी)

श्रीलंका की राजधानी कोलंबो के बाहरी इलाके में स्थित एक जेल में कैदियों और जेल प्रशासन के बीच भीषण हिंसक झड़प हो गई है। इस खूनी संघर्ष में अब तक कम से कम 25 लोगों की मौत हो चुकी है, वहीं 100 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

झड़प में 4 गार्ड और 19 कैदियों की मौत हुई है, वहीं घायलों की संख्या 100 से भी ज्यादा है। श्रीलंका में यह पिछले 6 सालों से ज्यादा समय में हुआ सबसे घातक जेल दंगा है।

खूनी संघर्ष

पुलिस ने कहा कि कोलंबो की मेन जेल में ड्रग्स के धंधे से जुड़े दो गैंग के कैदियों के बीच रात भर झड़प हुई। हिंसा के बाद घायलों को कोलंबो के उत्तर में स्थित नेगोम्बो अस्पताल ले जाया गया।

अस्पताल की डायरेक्टर पुष्पा गामलाथ ने बताया कि उनके सरकारी अस्पताल में 23 शव लाए गए और 100 से ज्यादा घायल कैदियों और गार्डों को भी लाया गया है। हुरू की रिपोर्ट के अनुसार इस झड़प में मरने वालों की संख्या 25 पहुंच गई है।

आज का इतिहास

- **1656:** सिक्खों के आठवें गुरु गुरु हर किशन सिंह का जन्म।
- **1758:** आधुनिक त्रावणकोर के निर्माता राजा मार्तंड वर्मा का निधन
- **1896:** भारत में सिनेमा का प्रवेश। मुंबई के वाटसन होटल में ल्यूमिर बंधुओं ने फिल्मों का पहली बार प्रदर्शन किया।
- **1912:** यूएस खिलाड़ी जिम थोर्पे ने स्टॉकहोम ओलम्पिक में चार स्वर्ण जीतकर तहलका मचाया।
- **1928:** स्लाइस्ड ब्रेड की पहली बार बिक्री हुई। इसे मशीन से काट कर तैयार किया गया।
- **1930:** ब्रिटिश लेखक आर्थर कॉनन डॉयल का निधन।

मेक इन इंडिया | भारत ने बना दिया सरहद पर दुश्मनों का काल, अपनी ताकत का लोहा भी मनवाया

100 दिनों में स्वदेशी यूजीआरएएम बैटल राइफल तैयार

● नई दिल्ली / ः (एजेंसी)

भारत ने रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया के तहत भारतीय दिमाग और स्वदेशी तकनीक ने मिलकर मात्र 100 दिनों के अंदर एक ऐसी खतरनाक राइफल तैयार की है, जो सरहद पर दुश्मनों के लिए काल साबित होगी। यूजीआरएएम बैटल राइफल ने सेना और गृह मंत्रालय के सबसे कठिन और कड़े टेस्ट को न सिर्फ पास किया है, बल्कि अपनी ताकत का लोहा भी मनवाया है।

हैदराबाद के डिफेंस स्टार्टअप ड्विपा डिफेंस ने डीआरडीओ की लैब एआरडीई के साथ मिलकर एक बहुत ही एडवांस और ताकतवर राइफल तैयार की है। जिसका नाम यूजीआरएएम (7.62 351 मिमी) है. इस स्वदेशी बैटल राइफल ने भारतीय सेना और गृह मंत्रालय के सभी कड़े टेस्ट और ट्रायल्स को पास कर लिया है। अब इसे जल्द ही देश के अर्धसैनिक बलों को सौंप दिया जाएगा।

रिकॉर्ड समय में किया कमाल

इस राइफल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे रिकॉर्ड 100 दिनों के अंदर डिजाइन और तैयार कर लिया गया है। भारत के हथियार विकास कार्यक्रम के इतिहास में इसे सबसे तेज प्रोजेक्ट्स में से एक है। इस राइफल ने हर मौसम और कठिन से कठिन परिस्थितियों में सेना के जनरल स्टाफ क्वालिटेटिव रिक्वायरमेंट ट्रायल्स को भी पास किया है। यूजीआरएएम राइफल के सभी जरूरी टेस्ट पूरे हो चुके हैं और अब इसे देश की प्रमुख सुरक्षा एजेंसियों जैसे- सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, एनएसजी - ब्लैक कैट कमांड खरीदने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

राइफल की खास बातें

- यह राइफल का वजह बहुत ही कम है, इसका कुल वजन 4 किलो से भी कम है। सैनिकों के लिए इसे संभालना बेहद आसान है।
- इसकी मारक क्षमता बहुत ही सटीक है, जो 500 मीटर की दूरी (करीब 5 फुटबॉल मैदानों के बराबर) तक दुश्मन को मार गिरा सकती है।
- इसमें एडवांस गैस-ऑपरेटेड रोटेटिंग बोल्ट सिस्टम का प्रयोग किया गया है, जो इसे बेहद भरोसेमंद बनाता है।
- यह सिंगल और फुल्ली-ऑटोमैटिक दोनों मोड में फायर कर सकती है। इसमें 20-राउंड की मैगजीन का उपयोग होता है।

चीन ने एटमी पनडुब्बी से मिसाइल का किया टेस्ट

चीन ने अपना तोड़ा वादा, दो देश परेशान

बीजिंग ,ः(हि.स.)। चीन ने सोमवार को प्रशांत महासागर में एक परमाणु चालित पनडुब्बी से लंबी दूरी तक मार करने वाली एक बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। चीनी सेना पीएलए ने इसे रणनीतिक मिसाइल बताया और परीक्षण को करार दिया। इस परीक्षण की जापान और आस्ट्रेलिया ने कड़ी आलोचना की और कहा कि चीन क्षेत्र में सैन्य जमावड़ा बढ़ा रहा है। पीएलए नौसेना ने बताया कि उसकी एक परमाणु पनडुब्बी से स्थानीय समायानुसार दोपहर 12.01 बजे एक डमी वारहेड के साथ रणनीतिक मिसाइल लॉन्च की गई, जो प्रशांत महासागर के संबंधित खुले समुद्र में अपने लक्ष्य पर सटीकता के साथ निशाना साधा।

संपादकीय

विश्वास बहाली जरूरी

देश के करोड़ों श्रद्धालुओं के आस्था-विश्वास को आहत करने वाला चंदा-चोरी प्रकरण सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली बैठक में आखिरकार महामंत्री चंपत राय व सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए। अब ट्रस्ट के अन्य सदस्य कृष्ण मोहन को अंतरिम महामंत्री बनाया गया है। राममंदिर के चंदे में हेरफेर से उठे देशव्यापी विवाद के बाद प्राथमिकी दर्ज होने, एसआईटी के गठन और कुछ गिरफ्तारियों के बाद ये इस्तीफे अपरिहार्य थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ दो इस्तीफों से श्रद्धालुओं के भरोसे की बहाली हो पाएगी? जैसा कि नवनियुक्त अंतरिम महामंत्री कृष्ण मोहन ने कहा कि मेरी प्राथमिकता है कि चंदा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा,उसे कड़ी सजा मिले। उन्होंने स्वीकारा कि ट्रस्ट प्रबंधन और संचालन में कहीं न कहीं खामियां रही हैं। उन्हें दूर करने का प्रयास होगा। साथ ही माना कि जो तथ्य सामने आए हैं उससे न्यास की छवि धूमिल हुई है। एक अविश्वास का भाव उत्पन्न हुआ। ट्रस्ट की प्रतिष्ठा को फिर स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कृष्ण मोहन भारतीय वन सेवा में शामिल होने से पहले कुछ सालों तक परमाणु ऊर्जा विभाग में परमाणु वैज्ञानिक भी रहे हैं। वे दलित समुदाय से आते हैं। वे उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज ने सोमवार को अयोध्या में उन बहुमूल्य वस्तुओं को मीडिया के सामने प्रदर्शित किया, जिनके गायब होने को लेकर अटकलें लगायी जा रही थीं। बताया जा रहा है कि ट्रस्ट के संचालन के लिये विशिष्ट अधिकारियों की नियुक्ति करने के लिये एक समिति का गठन किया गया है। इसी क्रम में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अगली बैठक बाईस जुलाई को होगी। जिसमें महत्वपूर्ण फैसले लिये जाने का अनुमान है। कहा जा रहा है कि तब तक चंदा चोरी मामले में एसआईटी की रिपोर्ट भी आ जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि आस्था व विश्वास से खिलवाड़ के कृत्य की जांच के लिये क्या एसआईटी की जांच पर्याप्त है? क्या चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे मात्र से उनकी लापरवाही और गैर जिम्मेदार व्यवहार पर कार्रवाई पूरी मान ली जाए? क्या इतनी कार्रवाई मात्र से सारे प्रकरण से संदेह के बादल छंट जाएंगे और लोगों का खंडित भरोसा फिर से कायम हो जाएगा? अब तो संघ प्रमुख ने भी स्वीकारा है कि इस घटनाक्रम से व्यापक हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। ऐसे में अब ट्रस्ट को कठोर फैसले लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखानी चाहिए। निस्संदेह, समय रहते यदि ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने चंदा प्रकरण में संवेदनशीलता के साथ कड़ी निगाह रखी होती तो यह बड़ा विवाद न खड़ा होता। शुरूआती दौर में जब मामले की सुगबुगाहट सामने आई तो तभी ट्रस्ट के पदाधिकारियों को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए थी। ऐसे में ट्रस्ट के पदाधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं। कुछ लोग तो ट्रस्ट को भंग करके नये सिरे से इसके गठन की बात कहते रहे हैं। बहरहाल, इतना तय है कि ट्रस्ट की कारगुजारियों में सबकुछ न तो पारदर्शी था और न ही सब कुछ नियम अनुसार ही चला। कहा जा रहा है कि कुछ पदाधिकारियों के पास जरूरत से ज्यादा अधिकार थे, जिसके चलते अन्य सदस्य उदासीन बने रहे। यही वजह है कि कुछ लोग एसआईटी से इतर एक उच्च स्तरीय जांच की मांग इस मामले में करते रहे हैं।

व्यंग्य

डिजिटल आत्म-पीड़न

विवेक रंजन श्रीवास्तव

सृष्टि के प्रारंभ में विधाता ने मनुष्य बनाया था, लेकिन इस डिजिटल कलयुग में मार्क जुकरबर्ग ने फेसबुकिया मनुष्य का मुखपोथी आविष्कार कर दिया ।

इसके साथ ही अवतरित हुआ एक नया वैश्विक संताप, डिजिटल आत्म-पीड़न। इस नए युग का मूल मंत्र बेहद अनूठा है, जहाँ लोग दूसरों की खुशियों की रंगीनियों से इस तरह आहत हो रहे हैं मानो किसी ने उनके अपने ही घर की बिजली काट दी हो। आहत होने का फैशन है, आस्था पर तो प्रहार, मानहानि के मुकदमों की भरमार है। स्थिति यह है कि जिनकी रचनात्मक क्षमता सीमित है वे केवल अपनी खुद की फेसबुक दीवार पर फ्लाइंग फ्रॉम अमुक जगह टू तमुक जगह के गूगल मैप का स्क्रीनशॉट पोस्ट करते हैं, तो कई परम ज्ञानियों के सीने पर सीधे हवाई जहाज लैंड कर जाता है। वे भूल जाते हैं कि पोस्ट करने वाले का मकसद किसी को नीचा दिखाना नहीं, बल्कि अपनी यादों के डिजिटल शोरूम में स्वयं की विविधता को बतौर डिजिटल डायरी समेटना है । ताकि भविष्य में जब वे कोई यात्रा-संस्मरण या ट्रैवलॉग लिखें, तो संदर्भ सुरक्षित रहें। वे किसी को टैग भी नहीं कर रहे होते, फिर भी ईर्ष्या की भट्टी में खुद को झोंकने वाले स्वैच्छिक रूप से कुढ़ने का असीम सुख ढूंढ ही लेते हैं।

लोग तो अपनी थाली के भोजन से लेकर अपने रहन-सहन का कैनवास वैश्विक कर रहे हैं, जिससे अगर चश्मा बदलकर देखा जाए तो बहुत कुछ सीखा जा सकता है, मगर यहाँ तो समस्या यह है कि सामने वाले की थाली का पनीर आँखों में कंकड़ की तरह चुभ रहा होता है।

ये वे ही कुंठित मनोवृत्ति के लोग होते हैं, जो महिलाओं पर व्यक्ति परक कविताएं लिखकर उनकी चरण वंदना करने के दैवीय सुख पाने की चेष्टा में फैसबुक का इस्तेमाल करने से नहीं चूकते या सुंदर महिलाओं की फोटो देख, अपने सफेद बालों की परवाह किए बिना,उनके इनबॉक्स में अनाधिकार मैसेज कर उनकी निजता में दखल के लिए फटकारे जाने में गर्व की अनुभूति करते हैं।

इस आत्म-पीड़न का सबसे मजेदार पहलू यह है कि फेसबुक ने इस भारी कष्ट से मुक्ति के लिए अनफ्रेंड, अनफॉलो और ब्लॉक जैसे परम दिव्य और सहज ब्रह्मास्त्र मुफ्त में दे रखे हैं। छुओ और मुक्त हो जाओ! पर नहीं, रील भी पूरी देखनी है, पोस्ट पर खोजी नजर भी गड़ाए रखनी है और फिर कढ़ाई के तेल की तरह खौलना भी पूरा है।

दुनिया में अरबों लोग रोज न जाने क्या-क्या अद्भुत कर रहे हैं, अब अगर तुम्हारी मुख-पोथी का कोई परिचित भी अपने बल पर या अपने बच्चों के बल से जिंदगी थोड़ी शिद्दत से जी रहा है, तो उससे कलेजा सुलगाने का क्या तुक?

इस कूपमंडूकता का एक और नया और डरावना रूप तब देखने को मिलता है जब बात ए.आई. यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के रचनात्मक प्रयोग पर आती है। तकनीक के नाम पर केवल व्हाट्सएप फॉरवर्ड और गुड मॉर्निंग इमेज भेजने वाली जमात उन रचनाकारों से घोर ईर्ष्या कर रही है जो ए.आई. का गुणवत्तापूर्ण उपयोग कर समकालीन लेखन और कला को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। समय के साथ नवाचार को अपनाना ही हमेशा से प्रगति का पैमाना रहा है, वरना रूढ़िवादी सोच के साथ तो हम आज भी ताड़-पत्र और मोरपंख लेकर स्याही सुखा रहे होते।

आज ए.आई. के साथ कदमताल मिलाकर उत्कृष्ट और प्रासंगिक लिखना लेखन की एक आधुनिक कला है जिसे पूरी दुनिया सलाम कर रही है, मगर कूपमंडूक इसे मानने को तैयार नहीं क्योंकि वे खुद इस रेस में पीछे छूट चुके हैं। अंततः, डिजिटल युग में दूसरों की खुशियों और हुनर को अपनी जलन का बैकग्राउंड म्यूजिक बनाने के बजाय, खुद के कैनवास को बड़ा करना ही बुद्धिमानी है। वरना फेसबुक की इस रंगीन दुनिया में लोग तो लाइव आते रहेंगे और जलने वाले सिर्फ राख होते रहेंगे।

इस प्रवृति पर बुंदेलखंड में लोकोक्ति है, सूप तो सूप, छलनी बोले जिसमें बहत्तर छेद।

अस्तु। कहना यही है कि बजाय प्रत्युत्तर देने के कैनवास वैश्विक कीजिए और दुनिया का सकारात्मक आनंद फेसबुक सर्फिंग से लीजिए और मंद मंद मुस्कुराइये।

गैर-शैक्षणिक दायित्वों के बोझ तले शिक्षा व्यवस्था

प्रो. एस.के. सिंह

किसी भी राष्ट्र की प्रगति और विकास का सबसे महत्वपूर्ण पैमाना उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। शिक्षा न केवल मनुष्यों के निर्माण का आधार है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक उन्नति का प्रतिबिंब भी होती है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि शिक्षा राष्ट्र की आत्मा होती है। भारत की शिक्षा परंपरा सदियों तक विश्व के लिए प्रेरणा का स्रोत रही है।

तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी जैसे प्राचीन भारतीय शिक्षा केंद्र केवल ज्ञान के ही नहीं, बल्कि वैश्विक बौद्धिक विमर्श के भी प्रमुख केंद्र थे, जहाँ दुनिया के विभिन्न देशों से विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते थे, क्योंकि भारतीय शिक्षा व्यवस्था ने हमेशा ज्ञान, नैतिकता, चरित्र-निर्माण तथा मानव एवं विश्व-कल्याण के आदर्शों को प्रतिष्ठित किया है, लेकिन मध्यकाल और विशेषकर औपनिवेशिक काल में भारतीय शिक्षा व्यवस्था को जानबूझकर गंभीर आघात पहुंचाया गया।

भारतीय ज्ञान-परंपरा को हानि पहुँचाने के लिए अनेक पारंपरिक शिक्षण संस्थानों को नष्ट किया गया। औपनिवेशिक शासन ने ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित की, जिसमें भारतीय भाषाओं एवं भारतीय ज्ञान-संपदा को कमतर आँकते हुए अंग्रेजी-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया। औपनिवेशिक काल में भारतीय ज्ञान-परंपरा, गुरुकुल व्यवस्था तथा स्वदेशी शिक्षण संस्थानों को जिस सुनियोजित तरीके से कमजोर किया गया, वैसा उदाहरण भारतीय इतिहास के अनेक पूर्ववर्ती कालखंडों में दिखाई नहीं देता।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात शिक्षा के विस्तार के लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों की संख्या तो बढ़ी, विभिन्न आयोग भी गठित किए गए, लेकिन शिक्षा के भारतीयकरण, मातृभाषा में शिक्षण एवं भारतीय ज्ञान-परंपरा के पुनर्स्थापन जैसे विषयों पर ठोस और व्यापक परिवर्तन लंबे समय तक दिखाई नहीं दिया। तत्कालीन सरकारें शिक्षा व्यवस्था में अपेक्षित बुनियादी परिवर्तन करने का साहस ही नहीं जुटा सकीं। परिणामस्वरूप, शिक्षा व्यवस्था काफी हद तक उसी ढाँचे में चलती रही, जिसकी नींव औपनिवेशिक काल में रखी गई थी।

ऐसे परिदृश्य में स्वतंत्रता के लगभग 73 वर्ष बाद, 2020 में एनईपी 2020 के माध्यम से देश को एक बेहद लचीली, समावेशी, बहुलतावादी, प्रगतिशील, छात्र-केंद्रित एवं भारतीयता से ओत-प्रोत शिक्षा नीति मिली, जिसमें भारतीय ज्ञान-परंपरा और मातृभाषा को केंद्र में रखते हुए छात्रों के सर्वांगीण विकास तथा उन्हें जीवन के लिए तैयार करने पर जोर दिया गया है।

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार किसी नीति में शिक्षा को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने की ठोस पहल की गई है। इसलिए इसे सही मायनों में स्वतंत्र भारत की पहली भारतीय शिक्षा नीति कहा जा सकता है। लेकिन शिक्षकों पर प्रशासनिक एवं गैर-शैक्षणिक कार्यों का बढ़ता बोझ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा उसके अपेक्षित परिणामों की प्राप्ति में सबसे बड़ी बाधा नजर आ रहा है।

महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि सांदीपनि और आचार्य चाणक्य जैसे शिक्षकों की परंपरा इसलिए महान नहीं बनी कि वे प्रशासनिक औपचारिकताओं में दक्ष थे, बल्कि इसलिए बनी कि वे अपने शिष्यों के व्यक्तित्व-निर्माण में पूर्णतः समर्पित थे। उनके आश्रमों में शिक्षा का केंद्र-बिंदु गुरु और शिष्य का जीवंत संवाद था, लेकिन वर्तमान समय में शिक्षकों की गैर-शैक्षणिक कार्यों में बढ़ती व्यस्तता के कारण यह संवाद निरंतर कम होता जा रहा है, जिससे शिक्षण एवं शोध की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा मंडराने लगा है।

निरंतर रिपोर्टिंग, पोर्टल प्रबंधन, डेटा अपलोडिंग, निर्वाचन एवं जनगणना संबंधी कार्य, विभिन्न सरकारी सर्वेक्षण, छात्रवृत्ति योजनाओं का संचालन, आधार लिंकिंग, मध्यान्ह भोजन योजना का प्रबंधन, बार-बार माँगी जाने वाली सूचनाओं का संकलन, संस्थान स्तर पर विभिन्न समितियों का गठन एवं संचालन, विशिष्ट व्यक्तियों के कार्यक्रमों में व्यस्तता तथा अनेक गैर-शैक्षणिक दायित्वों के कारण शिक्षकों को अपने मूल दायित्व शिक्षण, अध्ययन एवं शोध के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है। शिक्षक का कार्य केवल कक्षा में पढ़ाने तक सीमित नहीं होता; उसके अध्यापन की गुणवत्ता उसके सतत अध्ययन, चिंतन, मनन और आत्मविकास पर निर्भर करती है। इसलिए शिक्षक चौबीसों घंटे अपने दायित्वों का निर्वहन करता है। जो लोग यह मानते हैं कि शिक्षण कार्य समाप्त होते ही शिक्षक अपने दायित्वों से मुक्त होकर पूर्णतः स्वतंत्र हो जाता है, वे शिक्षक के वास्तविक उत्तरदायित्व, उसकी भूमिका की प्रकृति तथा शिक्षा की निरंतर चलने वाली प्रक्रिया को भली-भाँति नहीं समझते और इसी भ्रांति के कारण शिक्षक पर गैर-शैक्षणिक दायित्वों का अनावश्यक बोझ लादने का समर्थन करते हैं।

मानव सभ्यता के इतिहास में ऐसी अनेक नीतियां एवं योजनाएं रही हैं, जिनकी मूल भावना अत्यंत श्रेष्ठ एवं पवित्र रही है, लेकिन उनकी सफलता और अपेक्षित परिणाम काफी हद तक उनके क्रियान्वयन पर निर्भर रहे हैं। देश में 2016 में लागू की गई नोटबंदी इसका उल्लेखनीय उदाहरण है। नोटबंदी का निर्णय मूलतः काले धन, नकली मुद्रा तथा अवैध आर्थिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से उठाया गया एक दूरदर्शी और साहसिक कदम था।

नोटबंदी के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा को लेकर न तब कोई संदेह था और न आज है, लेकिन क्रियान्वयन के दौरान उत्पन्न हुई कुछ व्यावहारिक चुनौतियों एवं कठिनाइयों के कारण नोटबंदी से वे अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो सके, जिनकी आशा की गई थी। नोटबंदी सरकार का ऐसा निर्णय था, जिसने वैश्विक स्तर पर यह धारणा स्थापित की कि भारत में ऐसा नेतृत्व उभर चुका है, जो केवल लोकप्रिय निर्णयों तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रहित में आवश्यक होने पर कठोर, अप्रिय और चुनौतीपूर्ण निर्णय लेने से भी नहीं हिचकेगा। नोटबंदी की सराहना नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री रिचर्ड थेलर ने भी की थी।

इसी प्रकार यदि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं होते हैं, तो इसका कारण नीति में कोई कमी होना नहीं, बल्कि क्रियान्वयन की सबसे मजबूत कड़ी शिक्षक का उसके मूल कार्य से विमुख होना होगा। जिस प्रकार एक बेहतर एवं दूरगामी आर्थिक निर्णय, नोटबंदी, के क्रियान्वयन में त्रुटियाँ उसके प्रभाव को सीमित कर सकती हैं, उसी प्रकार एक उत्कृष्ट शिक्षा नीति भी तब तक अपने मूल उद्देश्यों को पूर्णतः प्राप्त नहीं कर सकती, जब तक शिक्षकों को अनावश्यक गैर-शैक्षणिक दायित्वों के बोझ से मुक्त न किया जाए।

अब तो ऐसा प्रतीत होने लगा है कि शिक्षा व्यवस्था में भी नौकरशाही की प्रवृत्तियां प्रवेश कर गई हैं, जहाँ शिक्षण की वास्तविक गुणवत्ता और परिणामों की अपेक्षा प्रक्रियाओं, अभिलेखीकरण तथा औपचारिकताओं को अधिक महत्व दिया जाने लगा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि शिक्षकों पर लादे गए प्रशासनिक दायित्व तथा अधिकांश गैर-शैक्षणिक कार्य छात्रों के कल्याण और शिक्षा व्यवस्था के सुचारु संचालन से जुड़े होते हैं। इसलिए इन कार्यों के निष्पादन हेतु पृथक रूप से प्रशिक्षित कर्मियों की नियुक्ति की जानी चाहिए, जिससे शिक्षक अपना अधिकतम समय शोध एवं शिक्षण में दे सकें।

आजकल लगभग प्रत्येक गतिविधि के लिए फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी को अनिवार्य कर दिया गया है। अधिकांश कार्यक्रमों के प्रमाण के रूप में फोटो और वीडियो भेजने की बाध्यता ने शिक्षा व्यवस्था को एक प्रकार की औपचारिकता एवं दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया में उलझा दिया है। परिणामस्वरूप, कार्य की वास्तविक गुणवत्ता और उसके शैक्षिक प्रभाव की अपेक्षा उसके प्रमाण प्रस्तुत करने पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा है। कई बार ऑनलाइन कार्यक्रमों के लिए छात्रों को एक स्थान पर एकत्रित करने के निर्देश उनके नियमित अध्ययन में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न करते हैं।

यदि कोई कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है, तो छात्रों को उनकी सुविधा और उपलब्धता के अनुसार उसे देखने की स्वतंत्रता दी जा सकती है। इससे न केवल उनकी पढ़ाई प्रभावित होने से बचेगी, बल्कि ऑनलाइन माध्यम की वास्तविक उपयोगिता भी सुनिश्चित होगी। एनईपी 2020 के अनुच्छेद 5.12 में स्पष्ट उल्लेख है कि शिक्षकों का अधिकांश समय गैर-शैक्षणिक गतिविधियों में व्यतीत होने से रोकने के लिए उन्हें ऐसे कार्य करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जो शिक्षा से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित न हों, लेकिन विडंबना यह है कि जिस देश ने शिक्षक को राष्ट्र-निर्माण का आधार माना, वहाँ आज शिक्षक अनेक प्रशासनिक और गैर-शैक्षणिक दायित्वों में उलझा हुआ है।

भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा से लेकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तक इस बात पर सभी सहमत हैं कि शिक्षा में वास्तविक और बुनियादी बदलाव केवल शिक्षकों के माध्यम से ही संभव है। यदि हमें एनईपी 2020 के वास्तविक लक्ष्यों तक पहुंचना है, तो हमें शिक्षक को गैर-शैक्षणिक कार्यों के बोझ से मुक्त कर उसके वास्तविक दायित्व शिक्षण, शोध एवं अधिगम पर केंद्रित होने का अवसर देना होगा। अन्यथा एक उत्कृष्ट और दूरदर्शी शिक्षा नीति भी क्रियान्वयन की कमजोरियों के कारण अपने अपेक्षित परिणामों से वंचित रह सकती है। (लेखक, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययनशाला में विभागाध्यक्ष हैं।)

अडानी प्रकरण भारतीय उद्योग जगत की छवि खराब करने का षड्यंत्र!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा आज महत्वपूर्ण हथियार बन चुकी है। ऐसे समय में यदि किसी तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के सबसे बड़े औद्योगिक समूह पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर आरोप लगाए जाते हैं, तो उसका प्रभाव उस कंपनी के साथ ही उस देश पर भी पड़ता है, जहां से उस कंपनी का सीधा संबंध रहता है। ऐसे में पूरे देश की निवेश छवि, वित्तीय विश्वसनीयता और औद्योगिक प्रतिष्ठा पर पड़ता है। वस्तुतः अडानी समूह से जुड़ा अमेरिकन विवाद भी इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए, क्योंकि हाल के घटनाक्रमों में अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) द्वारा स्वयं अपने मुकदमे के कानूनी आधार, अधिकार-क्षेत्र और साक्ष्यों पर पुनर्विचार करते हुए उसे आगे न बढ़ाने की दलील देना इस बहस को नई दिशा देता है। यह संदेह पैदा होता है कि कहीं यह पूरा प्रकरण सिर्फ इसलिए तो तैयार नहीं किया गया, ताकि भारत की तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति की वैश्विक छवि को प्रभावित किया जा सके।

आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। किंतु यह अनायास नहीं है, पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हो, आत्मनिर्भर भारत का संकल्प हो या वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में बढ़ते कदम, गहरायी से देखें तो इन सभी के पीछे देश के बड़े औद्योगिक समूहों का असाधारण योगदान है। ये उद्योग समूह भारत की आर्थिक शक्ति, रोजगार, नवाचार, निर्यात और आधारभूत संरचना के सबसे मजबूत स्तंभ हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में लगभग 11.75 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड वार्षिक कारोबार दर्ज किया है। अडानी समूह का समेकित कारोबार लगभग 2.92 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच चुका है। आदित्य बिड़ला समूह का वैश्विक कारोबार 65 अरब डॉलर से अधिक है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज का वार्षिक राजस्व एक लाख करोड़ रुपये से ऊपर है, जबकि टाटा समूह का वैश्विक कारोबार अनेक लाख करोड़ रुपये तक फैला हुआ है। ओ.पी. जिंदल समूह इस्पात, ऊर्जा और अवसंरचना क्षेत्रों में देश की औद्योगिक क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है।

इस तरह से अनेक भारतीय कंपनियों के आंकड़े दिए जा सकते हैं। वस्तुतः ये आंकड़े कॉरपोरेट सफलता के प्रतीक होने के साथ ही भारत के लिए उस आर्थिक सामर्थ्य का प्रमाण हैं जिसने उसे विश्व अर्थव्यवस्था में नई पहचान दिलाई है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद जिस प्रकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अडानी समूह को लेकर माहौल बनाया गया, उससे भारतीय शेयर बाजार में अस्थायी अस्थिरता आई और वैश्विक निवेशकों के बीच अनेक आशंकाएं पैदा हुईं। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई चचाओं ने अडानी समूह के बाजार मूल्य को प्रभावित किया।करोड़ों निवेशकों की पूंजी प्रभावित हुई और भारत के कॉरपोरेट गवर्नेंस पर भी सवाल उठाने का प्रयास किया गया, लेकिन बाद के घटनाक्रमों ने तस्वीर का दूसरा पक्ष भी सामने रखा।

भारतीय नियामक संस्थाओं की जांच, उच्चतम न्यायालय की निगरानी में हुई प्रक्रिया और अब अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा अपने ही मुकदमे के आधार पर गंभीर कानूनी प्रश्न उठाना यह संकेत देता है कि प्रारंभिक आरोपों को जिस प्रकार वैश्विक विमर्श का विषय बनाया गया, वह पूरी तरह निर्विवाद नहीं था। जब स्वयं अभियोजन पक्ष अपने मामले की कानूनी मजबूती पर पुनर्विचार करने लगे, तब यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या शुरूआती नैरेटिव ने भारत की औद्योगिक छवि को आवश्यकता से अधिक नुकसान पहुंचाया? यहां हम सभी को यह भी समझना होगा कि भारत के बड़े उद्योगपति सिर्फ लाभ अर्जित करने वाले कारोबारी नहीं हैं। वे देश के सबसे बड़े रोजगार सृजक, करदाता और निवेशक भी हैं। रिलायंस, टाटा, अडानी, बिड़ला, जिंदल और एचसीएल जैसे समूह प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों की आजीविका का आधार बने हुए हैं। यही कंपनियां हर वर्ष सरकार को हजारों करोड़ रुपये का कर देती हैं, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, आधारभूत संरचना और सामाजिक कल्याण योजनाओं को गति मिलती है।

देश के बंदरगाह, हवाई अड्डे, राजमार्ग, मेट्रो नेटवर्क, ऊर्जा परियोजनाएं, डिजिटल कनेक्टिविटी, दूरसंचार, हरित ऊर्जा, डेटा सेंटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सेमीकंडक्टर जैसे भविष्य के क्षेत्रों में भी सबसे बड़ा निवेश इन्हीं उद्योग समूहों द्वारा किया जा रहा है। यदि भारत आज वैश्विक सप्लाई चेन का महत्वपूर्ण केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तो उसके पीछे इन उद्योगपतियों की दीर्घकालिक निवेश क्षमता और जोखिम उठाने का साहस बहुत अधिक मायने रखता है। वैश्विक निवेशक किसी एक कंपनी को अलग-थलग करके नहीं देखते। वे पूरे देश की नीतियों, नियामक व्यवस्था और कारोबारी वातावरण का आकलन करते हैं। ऐसे में यदि भारत के सबसे बड़े औद्योगिक समूहों में से किसी एक के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक माहौल बनाया जाता है, तो उसका असर विदेशी निवेश, शेयर बाजार, पूंजी प्रवाह और भारत की आर्थिक विश्वसनीयता पर पड़ना स्वभाविक है। भारत आज केवल एक विशाल उपभोक्ता बाजार होने के साथ ही विश्व का उभरता हुआ उत्पादन, नवाचार और निवेश केंद्र बन चुका है। हरित ऊर्जा, डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा निर्माण, सेमीकंडक्टर, लॉजिस्टिक्स और आधुनिक अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में भारतीय उद्योग समूह वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यही कारण है कि आज भारतीय कंपनियां दुनिया के अनेक देशों में निवेश कर रही हैं और भारत को वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ा रही हैं।

ऐसे समय में किसी भी भारतीय उद्योग समूह पर लगने वाले आरोपों का मूल्यांकन तथ्यों, कानून और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर होना चाहिए, न कि पूर्वाग्रहों या अंतरराष्ट्रीय प्रचार के आधार पर। यदि किसी मामले में बाद में स्वयं जांच एजेंसियां अपने शुरूआती रुख पर पुनर्विचार करती दिखाई दें, तो यह आवश्यक हो जाता है कि पूरे घटनाक्रम का मूल्यांकन भी नए तथ्यों के आलोक में किया जाए।

क्योंकि किसी एक उद्योग समूह की प्रतिष्ठा पर लगने वाला आघात सिर्फ एक कॉरपोरेट विवाद तक सीमित न रहकर दूरगामी असर छोड़ता है। स्वभाविक तौर पर ऐसे प्रकरणों में इसका प्रभाव भारत की आर्थिक छवि, वैश्विक निवेश वातावरण और विकसित भारत के सपने तक महसूस किया जाता है। यही कारण है कि देश के वेल्थ क्रिएटर्स का निष्पक्ष मूल्यांकन तथ्यों, पारदर्शिता और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर होना चाहिए, क्योंकि भारतीय संदर्भों में उनकी सफलता में ही भारत की आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और भविष्य की समृद्धि का एक महत्वपूर्ण आधार है। अब जब अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा अपने मुकदमे के कानूनी आधार और अधिकार-क्षेत्र पर पुनर्विचार करने की बात स्वीकार कर ली गई है, तब हर भारतीय को चाहिए कि वह अपने स्तर पर इससे जुड़ी सभी सच्चाई लोगों के सामने लेकर आएं, क्योंकि बात यहां सिर्फ अडानी संस्थान की नहीं है, वास्तव में भारत के उद्योग जगत की छवि खराब करने का यह वैश्विक षड्यंत्र था! यह स्थापित किया जाना भविष्य में भारत को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में अत्यधिक आवश्यक है।

जानिए भारतीय नागरिकता की पूरी सच्चाई

कैलाश चन्द्र

भारत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ, किंतु उस समय सबसे बड़ा प्रश्न यह था कि आखिर भारत का नागरिक कौन होगा। देश के विभाजन के कारण लाखों लोग भारत और पाकिस्तान के बीच आ-जा रहे थे। ऐसी स्थिति में संविधान-निमार्ताओं ने यह आवश्यक समझा कि संविधान लागू होने के दिन, अर्थात 26 जनवरी 1950 को यह स्पष्ट कर दिया जाए कि किन व्यक्तियों को भारतीय नागरिक माना जाएगा। इसी उद्देश्य से संविधान के भाग 2 (अनुच्छेद 5 से 11) में नागरिकता का मूल संवैधानिक ढांचा निर्धारित किया गया। बाद में संसद ने नागरिकता अधिनियम, 1955 बनाकर नागरिकता प्राप्त करने, उसके समाप्त होने तथा उससे संबंधित समस्त विषयों का विस्तृत कानूनी प्रावधान किया।

नागरिकता क्या है?

नागरिकता किसी व्यक्ति और राष्ट्र के बीच स्थापित वह कानूनी एवं संवैधानिक संबंध है, जिसके आधार पर व्यक्ति को राज्य के प्रति अधिकार और कर्तव्य दोनों प्राप्त होते हैं। भारतीय नागरिक को मतदान का अधिकार, कुछ संवैधानिक पदों पर नियुक्ति का अधिकार तथा संविधान द्वारा प्रदत्त अनेक अधिकार प्राप्त होते हैं। इसके साथ ही उस पर राष्ट्र के प्रति निर्धारित कर्तव्यों का पालन करने का दायित्व भी होता है। यह स्मरणीय है कि भारत में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति भारतीय नागरिक नहीं होता, किंतु प्रत्येक भारतीय नागरिक को भारत में रहने तथा संविधान के संरक्षण का अधिकार प्राप्त होता है।

अनुच्छेद 5 झ संविधान लागू होने पर नागरिकता

यह नागरिकता संबंधी मूल अनुच्छेद है। इसके अनुसार 26 जनवरी 1950 को वह व्यक्ति भारत का नागरिक माना गया, जिसका भारत में अधिवास (डोमिसाइल) था तथा जो निम्नलिखित में से किसी एक शर्त को पूरा करता था, वह भारत में जन्मा हो, अथवा उसके माता या पिता में से कोई एक भारत में जन्मा हो अथवा संविधान लागू होने से पूर्व कम-से-कम पांच वर्ष तक भारत में सामान्य रूप से निवास करता रहा हो। इस प्रकार नागरिकता के तीन मूल आधार थे- जन्म, वंश और निवास।

अनुच्छेद 6 झ पाकिस्तान से भारत आने वाले लोग

देश के विभाजन के पश्चात पाकिस्तान से भारत आने वाले लाखों लोगों की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रावधान किया गया। यदि वे निर्धारित शर्तों को पूरा करते थे और भारत में स्थायी रूप से बसने के इच्छुक थे, तो उन्हें भारतीय नागरिकता प्रदान की जा सकती थी।

अनुच्छेद 7 झ भारत से पाकिस्तान जाने वाले लोग

जो व्यक्ति 1 मार्च 1947 के बाद भारत छोड़कर पाकिस्तान चले गए थे, उन्हें सामान्यतः भारतीय नागरिक नहीं माना गया। तथापि, पुनर्वास की अनुमति प्राप्त कर भारत लौटने वाले व्यक्तियों के लिए विशेष अपवाद का प्रावधान रखा गया।

अनुच्छेद 8 झ विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोग

विदेशों में निवास करने वाले ऐसे व्यक्ति, जिनके माता-पिता अथवा दादा-दादी भारतीय मूल के थे, वे भारतीय दूतावास में पंजीकरण कराकर निर्धारित शर्तों के अनुसार भारतीय नागरिकता प्राप्त कर सकते थे।

अनुच्छेद 9 झ विदेशी नागरिकता लेने का प्रभाव

यदि कोई भारतीय नागरिक स्वेच्छा से किसी अन्य देश की नागरिकता स्वीकार कर लेता है, तो उसकी भारतीय नागरिकता समाप्त हो जाती है। इसका कारण यह है कि भारत पूर्ण दोहरी नागरिकता (ड्यूल सिटिजनशिप) की व्यवस्था को स्वीकार नहीं करता।

अनुच्छेद 10 झ नागरिकता की निरंतरता

इस अनुच्छेद के अनुसार संविधान लागू होने के समय जो व्यक्ति भारतीय नागरिक था, उसकी नागरिकता बनी रहेगी, किंतु वह संसद द्वारा बनाए गए कानूनों के अधीन होगी।

अनुच्छेद 11-संसद की शक्ति

इस अनुच्छेद द्वारा संसद को नागरिकता के संबंध में विस्तृत कानून बनाने का अधिकार प्रदान किया गया। इसी संवैधानिक अधिकार के आधार पर नागरिकता अधिनियम, 1955 बनाया गया।

नागरिकता अधिनियम, 1955

यह भारत का प्रमुख नागरिकता कानून है। इसके अनुसार भारतीय नागरिकता पाँच आधारों पर प्राप्त की जा सकती है, जन्म से, वंश से, पंजीकरण द्वारा, प्राकृतिककरण द्वारा तथा किसी नए क्षेत्र के भारत में विलय होने पर। भारतीय नागरिकता प्रदान करने के यही पाँच वैधानिक आधार हैं।

प्रमुख संशोधन

वर्ष 1955 में नागरिकता अधिनियम लागू हुआ। वर्ष 1986 में जन्म से नागरिकता प्राप्त करने के नियमों को अधिक कठोर बनाया गया। वर्ष 1992 में वंश से नागरिकता प्राप्त करने संबंधी प्रावधानों में संशोधन किया गया। वर्ष 2003 में अवैध प्रवासी (इल्लीगल माइग्रेंट) की परिभाषा स्पष्ट की गई तथा राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) और राष्ट्रीय पहचान रजिस्टर से संबंधित प्रावधान जोड़े गए। वर्ष 2005 में ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) की व्यवस्था प्रारंभ हुई।

यहां यह ध्यान रखने योग्य है कि ओसीआई पूर्ण भारतीय नागरिकता नहीं है। ओसीआई धारक मतदान नहीं कर सकते, चुनाव नहीं लड़ सकते और कुछ संवैधानिक पदों पर नियुक्त नहीं हो सकते। वर्ष 2015 में पीआईओ और ओसीआई योजनाओं का एकीकरण किया गया। वर्ष 2019 में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) पारित किया गया, जिसके अंतर्गत पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए कुछ धार्मिक समुदायों के पात्र व्यक्तियों के लिए विशेष प्रावधान किए गए। वर्ष 2024 में सीएए लागू करने के नियम अधिसूचित किए गए तथा पात्र व्यक्तियों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ की गई। क्या आधार कार्ड, वोटर आईडी और पैन कार्ड नागरिकता का प्रमाण हैं?

यह नागरिकता से जुड़ा सबसे बड़ा भ्रम है। सामान्यतः यह मान लिया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, वोटर आईडी, पैन कार्ड, राशन कार्ड अथवा आयकर रसीद है, तो वह स्वतः भारतीय नागरिक है। वस्तुतः यह धारणा विधिक दृष्टि से सही नहीं है।

इन सभी दस्तावेजों का उद्देश्य अलग-अलग है। आधार कार्ड व्यक्ति की पहचान स्थापित करने के लिए जारी किया जाता है। पैन कार्ड आयकर संबंधी पहचान का दस्तावेज है। राशन कार्ड सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ प्राप्त करने के लिए बनाया जाता है। मतदाता पहचान-पत्र मतदान की प्रक्रिया में उपयोग के लिए है, जबकि आयकर रसीद केवल यह प्रमाणित करती है कि संबंधित व्यक्ति ने कर का भुगतान किया है। इनमें से कोई भी दस्तावेज स्वयं भारतीय नागरिकता का प्रमाण नहीं है और न ही किसी व्यक्ति को अपने-आप भारतीय नागरिक बना देता है। किसी व्यक्ति की नागरिकता का निर्धारण केवल भारतीय संविधान, नागरिकता अधिनियम, 1955 तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार ही किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति की नागरिकता पर कोई प्रश्न उत्पन्न होता है, तो उसका निर्णय सक्षम प्राधिकारी उपलब्ध वैधानिक अभिलेखों, साक्ष्यों तथा लागू कानून के आधार पर करता है, इसलिए पहचान, निवास, करदाता, मतदाता और नागरिक- ये पांचों अलग-अलग कानूनी अवधारणाएं हैं। इन्हें एक-दूसरे का पर्याय नहीं माना जा सकता।

सबसे आसान तरीके से याद रखें

अनुच्छेद 5 प्रारंभिक नागरिकता से संबंधित है। अनुच्छेद 6 पाकिस्तान से भारत आए लोगों के संबंध में है। अनुच्छेद 7 भारत से पाकिस्तान जाने वाले लोगों से संबंधित है। अनुच्छेद 8 विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों के विषय में है। अनुच्छेद 9 विदेशी नागरिकता ग्रहण करने पर भारतीय नागरिकता समाप्त होने का प्रावधान करता है। अनुच्छेद 10 नागरिकता की निरंतरता सुनिश्चित करता है तथा अनुच्छेद 11 संसद को नागरिकता संबंधी कानून बनाने की शक्ति प्रदान करता है। इसी प्रकार नागरिकता अधिनियम, 1955 के अनुसार भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के पाँच आधार हैं; जन्म, वंश, पंजीकरण, प्राकृतिककरण तथा किसी क्षेत्र का भारत में विलय।

कुल तथ्य यह है कि भारतीय संविधान का भाग 2 नागरिकता की संवैधानिक आधारशिला है, जबकि नागरिकता अधिनियम, 1955 उसका विस्तृत विधिक स्वरूप प्रस्तुत करता है। संविधान ने यह निर्धारित किया कि 26 जनवरी 1950 को कौन भारतीय नागरिक होगा तथा संसद को भविष्य के लिए नागरिकता संबंधी कानून बनाने का अधिकार प्रदान किया। संसद ने इसी अधिकार का उपयोग करते हुए नागरिकता अधिनियम बनाया और समय-समय पर उसमें संशोधन कर बदलती परिस्थितियों के अनुरूप व्यवस्था को विकसित किया, जिसमें कि भारतीय नागरिकता किसी पहचान-पत्र से नहीं, बल्कि संविधान और नागरिकता अधिनियम द्वारा निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया से प्राप्त होती है। *(लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ स्तम्भकार हैं।)*

CLUB NPC INDIA
NETWORK FOR PEOPLE OF CONSTRUCTION

★ क्लब NPC इंडिया को समर्पित ★

क्लब NPC इंडिया

शब्दवाणी समाचार का मासिक विशेषांक

राष्ट्रीय निर्माण एवं जनहित कार्यो में समर्पित व्यक्तित्वों की
प्रेरक गाथाएँ, उपलब्धियों एवं विशेष समाचार

शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के साथ निशुल्क वितरित

विशेषांक ★ | साक्षात्कार ★ | उपलब्धियाँ ★ | समाचार ★ | प्रेरक व्यक्तित्व

निर्माण क्षेत्र, विकास और जनसरोकार के लिए

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1,
New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

PREMIUM
From the House of Dr. Juneja
पेट सफा
LAXATIVE GRANULES

अब अजवायन के दानों वाला स्पैशल प्रीमियम पेट सफा

प्रीमियम पेट सफा ग्रैन्यूल्स में शुद्ध अजवायन को पेट सफा के मिश्रण के साथ Special Coat किया गया है। यह इतना शुद्ध एवं आकर्षक है कि हर दाना अलग-अलग खनकता है। यह हमारी कई वर्षों की मेहनत एवं रिसर्च का नतीजा है कि पेट सफा प्रीमियम ग्रैन्यूल्स आपको पहले दिन ही बहुत पसंद आएगा एवं प्रभावी परिणाम दिखाएगा।

यहाँ से भी खरीदें amazon | Flipkart | blinkit | insta mart

24x7 Helpline: 91197 88888 • www.petsaffa.com • Available at all medical & general stores

ब्रीफ न्यूज

नर्मदा के लंबित प्रोजेक्ट पर सीएम की आज शाह के साथ बैठक

भोपाल, प्रसं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार शाम नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए। मुख्यमंत्री सोमवार रात्रि विश्राम दिल्ली में करेंगे। मंगलवार को मुख्यमंत्री की केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के साथ महत्वपूर्ण बैठक प्रस्तावित है। इस बैठक में मप्र से जुड़े नर्मदा बेसिन के लंबित और प्रस्तावित विकास परियोजनाओं की विस्तार से समीक्षा की जाएगी। बैठक में नर्मदा घाटी विकास से जुड़े विभिन्न प्रोजेक्टों की वर्तमान स्थिति, लंबित प्रशासनिक एवं वित्तीय मंजूरी, अंतरराज्यीय समन्वय और परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन पर चर्चा होने की संभावना है। राज्य सरकार का प्रयास है कि लंबे समय से लंबित परियोजनाओं को केंद्र स्तर पर आवश्यक स्वीकृतियां एवं सहयोग मिल सके, ताकि सिंचाई, पेयजल और क्षेत्रीय विकास से जुड़े कार्यों में तेजी लाई जा सके। बैठक में अपर मुख्य सचिव नर्मदा घाटी विकास विभाग डॉ. राजेश राजौरा सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

बांकीपुर उपचुनाव: आरजेडी ने रेखा गुप्ता को बनाया प्रत्याशी

पटना, आरएनएन। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने रेखा कुमारी गुप्ता को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। पार्टी ने लगातार दूसरी बार इस सीट पर उन पर भरोसा जताया है। पिछले हुए विधानसभा चुनाव में भी उन्हें टिकट दिया गया था। उन्होंने 46,363 वोट हासिल किए थे और दूसरे स्थान पर रही थीं। आरजेडी को उम्मीद है कि पिछली बार के प्रदर्शन का फायदा मिलेगा और रेखा गुप्ता पहले से ज्यादा मजबूत चुनौती पेश करेंगी।

मणिपुर में उग्रवादियों के हमले में असम राइफल्स के 2 जवान शहीद

नई दिल्ली, आरएनएन। मणिपुर के उखरुल जिले में उग्रवादियों के हमले में असम राइफल्स के दो जवानों मारे गए हैं। वहीं, अन्य घायल हुए हैं। इस घटना पर मणिपुर के राज्यपाल ने दुख जताया है। उन्होंने हमले की निंदा की है। वहीं, हमले के बाद मौके पर भारी सुरक्षाबल के जवान तैनात हैं। इलाके को सील कर दिया है। यहां आर्मी एक बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू कर सकती है।

चर्चित टीसीएस धर्मांतरण केस में आरोपी निदा खान को जमानत

नासिक, आरएनएन। महाराष्ट्र के चर्चित टीसीएस कथित अवैध धर्मांतरण मामले में महिला आरोपी निदा खान को बड़ी राहत मिली है। नासिक की अदालत ने उन्हें जमानत दे दी है। इस मामले में सह-आरोपी तौसीफ अत्तार को भी जमानत मिल गई है। वहीं तीसरे आरोपी दानिश शेख की जमानत याचिका अदालत ने खारिज कर दी। जानकारी के अनुसार, गिरफ्तारी के समय से ही निदा खान ने गर्भवती होने का हवाला देते हुए अदालत में जमानत की अर्जी दाखिल की थी। अब अदालत ने उन्हें जमानत दे दी है।

आंध प्रदेश के यूट्यूबर रावण 6 दिन में पांचवीं बार अरेस्ट

अमरावती, आरएनएन। आंध्र प्रदेश में यूट्यूबर रावण को एक बार फिर गिरफ्तार कर लिया गया है। विगत 30 जून से अब तक यह उनकी पांचवीं गिरफ्तारी है। पुलिस और रावण के बीच लगातार ऐसा घटनाक्रम देखने को मिला है जिसमें उन्हें एक मामले में जमानत मिलने के तुरंत बाद दूसरे मामले में फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। बताया जा रहा है कि रावण के खिलाफ दर्ज अधिकांश मामले आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण को लेकर की गई उनकी कथित विवादित टिप्पणियों से जुड़े हैं।

सहकारिता दिवस पर अमित शाह का बड़ा ऐलान

अगले 2 साल में हर राज्य और 500 शहरों तक पहुंचेगी 'भारत टैक्सी'

अगले दो सालों में दूध उत्पादक किसानों की संख्या में कम से कम 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी का लक्ष्य रखें

● नई दिल्ली/ (एजेंसी)

सोमवार को सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत टैक्सी बहुत मजबूती से आगे बढ़ रही है। आने वाले दो सालों में भारत टैक्सी देश के हर राज्य में अपनी सेवाएं देना शुरू कर देगी। देश में 500 से अधिक शहरों और कस्बों में यह लोगों को अपनी सेवाएं देगी।

गृह मंत्री ने कहा कि श्वेत क्रांति-2 के माध्यम से हम सहकारी डेयरियों का एक मजबूत नेटवर्क तैयार करना चाहते हैं। सभी राज्यों के डेयरी फेडरेशनों से आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि अगले दो सालों में दूध उत्पादक किसानों की संख्या में कम से कम 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी का लक्ष्य रखें। इसका मतलब है कि 35 प्रतिशत अधिक गांवों में नए पैक्स बनाने होंगे और प्राथमिक डेयरी समितियां स्थापित करनी होंगी। गांव का कोई भी किसान ऐसा न रहे जो डेयरी को दूध न देता हो। सहकारी चीनी क्षेत्र में हमने चीनी, सिरे से इथेनॉल, बगास, ऊर्जा, प्रेसमड, जैविक खाद और सल्फर बनाने तक की पूरी व्यवस्था लागू कर दी है। यह प्रयोग सफल रहा है। इसके लिए भी हमने सहकारी समितियां बना दी हैं।

हमने गन्ना किसानों को राहत दिलाई

क्लस्टर आधारित सहकारी समितियों के माध्यम से हर डेयरी को निवेश नहीं करना पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि हमने गन्ने के अधिक मूल्य भुगतान पर कर राहत दिलाई है। पुराने कर विवादों का समाधान किया है। गन्ने के क्षेत्र में अकेले 46 हजार करोड़ रुपये का किसानों का इनकम टैक्स प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माफ किया है।

370 हटाना मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि

भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का योगदान कई क्षेत्रों में रहा। वे एक बेहतरीन विचारक और शिक्षाविद थे। वहीं, गृहमंत्री शाह ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र प्रथम के आदर्श को अपने जीवन का ध्येय बनाया। पीएम मोदी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी 125वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने एक्स पर लिखा,डॉ. मुखर्जी का योगदान कई क्षेत्रों में रहा। 2019 में अनुच्छेद 370 और 35(ए) को हटाना उनके प्रयासों के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि है। वे एक बेहतरीन विचारक और शिक्षाविद थे, जिन्होंने इनोवेशन और भविष्य की जरूरतों के हिसाब से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का समर्थन किया। उद्योग मंत्री के तौर पर, उन्होंने औद्योगिक आत्मनिर्भरता की नींव रखी। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया कि पारंपरिक क्षेत्र और लोगों की आजीविका फलती-फूलती रहे।

श्यामा प्रसाद की जयंती पर पीएम मोदी ने किया याद

नीट की तैयारी कर रहे तीन छात्रों से 87,700 रुपए के नकली नोट बरामद

बीते पांच सालों से बाजार में खपा रहे थे नकली नोट

● अशोकनगर/ (एजेंसी)

कोतवाली पुलिस ने एक अंतरराज्यीय जाली नोट गिरोह का पर्दाफाश किया है, जिसके तार उप्र के आगरा तक जुड़े हैं। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 87,700 रुपए के नकली नोट बरामद किए हैं। गिरोह के तीनों आरोपी इंदौर में रहकर मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक यह गिरोह पिछले चार-पांच सालों से सक्रिय था और अब तक बाजार में 10 से 15 लाख रुपए के नकली नोट खपा चुका है।

पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रातीखेड़ा-रुसल्ला मार्ग स्थित प्रतीक्षालय के पास से कुलदीप पिता महेश बघेल (22 वर्ष), निवासी ग्राम बबल्या, जिला राजगढ़ को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उसके पास से 500 और 100 रुपए के जाली नोट बरामद हुए। कड़ाई से पूछताछ करने पर कुलदीप ने बताया कि उसे यह नोट खंडवा निवासी कार्तिक पाटीदार ने दिए थे, और इन नोटों की मुख्य आपूर्ति आगरा का रहने वाला हेमंत करता है। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने कार्तिक और हेमंत को रात में शिवपुरी के पास से धर दबोचा।

आगरा से आते थे नकली नोट

पुलिस जांच में सामने आया है कि नकली नोटों की छपाई आगरा या प्रदेश के बाहर अन्य स्थानों पर की जाती थी। आगरा का हेमंत यह खेप लेकर आता था और कार्तिक तथा कुलदीप को सप्लाई करता था। यह लोग 1:3 के अनुपात में नकली नोट बाजार में उतारते थे, यानी 500 रुपए असली के बदले 1500 रुपए के नकली नोट देते थे। इसके अलावा, ये लोग असली नोटों की गड्डियों के बीच में भी नकली नोट फंसाकर चला देते थे। पुलिस ने इनके पास से 500 रुपये के 85 और 100 रुपये के 432 जाली नोट कुल 517 नोट जब्त किए हैं, जिनकी कीमत 87,700 रुपए है।

100 की गड्डी में एक ही सीरीज और क्रं. के नोट

पुलिस जांच में एक और दिलचस्प तथ्य सामने आया। बरामद 500 रुपये के सभी नकली नोटों पर अलग-अलग सीरियल नंबर अंकित थे, जिससे उन्हें असली जैसा दिखाने की कोशिश की गई थी। वहीं 100 रुपये की गड्डियों में अधिकांश नोट एक ही सीरीज और क्रमांक वाले पाए गए, जिससे उनके नकली होने का संदेह तुरंत मजबूत हो गया।

प. बंगाल में बीजेपी का तीनों राज्यसभा सीटें जीतना तय

बगावत और अंदरूनी कलह से जूझ रही टीएमसी मुकाबले में भी नहीं

● कोलकाता / (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल से राज्यसभा की तीन सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर राज्य में सियासी हलचल बढ़ गई है। बंगाल विधानसभा के मौजूदा गणित को देखते हुए बीजेपी तीनों सीटें जीतने की मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही है, जबकि अंदरूनी कलह से जूझ रही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लिए मुकाबला करना भी मुश्किल माना जा रहा है।

निर्वाचन आयोग ने इन तीन राज्यसभा सीटों पर 24 जुलाई को उपचुनाव कराने की घोषणा की है। ये सीटें पूर्व टीएमसी सांसद सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक के इस्तीफे के बाद खाली हुई थीं। तीनों नेताओं ने पिछले महीने राज्यसभा की सदस्यता और तृणमूल कांग्रेस दोनों से इस्तीफा दे दिया था।

उन्होंने विधानसभा चुनाव में तृणमूल की हार के बाद पार्टी नेतृत्व पर सवाल उठाए थे। सुखेंदु शेखर रॉय और प्रकाश चिक बराइक का कार्यकाल सितंबर 2029 तक था, जबकि सुष्मिता देव का कार्यकाल अप्रैल 2030 तक चलना था। फिलहाल राज्यसभा में टीएमसी के सदस्यों की संख्या 9 है। 294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा में बीजेपी के पास 208 विधायक हैं। ऐसे में यदि पार्टी तीन उम्मीदवार उतारती है और उसके सभी विधायक पार्टी लाइन पर मतदान करते हैं, तो प्रत्येक उम्मीदवार को लगभग 69-70 वोट मिल सकते हैं, जो जीत के लिए पर्याप्त माने जा रहे हैं।

राज्यसभा उपचुनाव के नियमों के मुताबिक, तीन सीटों वाले चुनाव में किसी उम्मीदवार को जीत के लिए करीब 70 प्रथम वरीयता वोटों की जरूरत होती है। मौजूदा संख्या बल के आधार पर बीजेपी बिना किसी अन्य दल के समर्थन के यह आंकड़ा हासिल कर सकती है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल का कार्यकाल आज हो रहा पूरा

नए राज्यपाल को लेकर राष्ट्रपति भवन पर निगाहें

रामनरेश यादव के बाद 5 साल का कार्यकाल पूरा करने वाले दूसरे राज्यपाल हैं पटेल

● भोपाल / (एजेंसी)

मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई छगनभाई पटेल का कार्यकाल मंगलवार को पूरा हो रहा है। उनका कार्यकाल बढ़ेगा या फिर प्रदेश में नए राज्यपाल की नियुक्ति होगी। इसे लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

हालांकि इस मामले में फैसला दिल्ली से होना है। माना जा रहा है कि राज्यपाल अपने पद पर बने रहेंगे। पटेल ने 8 जुलाई 2021 को मध्य प्रदेश के 19वें राज्यपाल के रूप में पदभार ग्रहण किया था। उनकी नियुक्ति का आदेश 6 जुलाई 2021 को जारी हुआ था। गुजरात से आने वाले मंगुभाई पटेल लंबे समय तक बीजेपी से जुड़े रहे हैं और गुजरात सरकार में मंत्री तथा वर्ष 2014 में गुजरात विधानसभा के कार्यकारी उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं।

राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम और जागरूकता अभियान पर जोर दिया। इस दिशा में मध्य प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की। इधर राज्यपाल पटेल का कार्यकाल पूरा होने के पहले सोमवार को सीएम डॉ मोहन यादव ने लोकभवन पहुंचकर उनसे भेंट की।

पांच वर्ष का होता है कार्यकाल

संविधान के अनुसार राज्यपाल का कार्यकाल पांच वर्ष का होता है। मंगुभाई पटेल का कार्यकाल 7 जुलाई को पूरा हो रहा है। अब सभी की नजरें राष्ट्रपति भवन के अगले निर्णय पर टिकी हैं कि उन्हें कार्यकाल विस्तार दिया जाएगा या मध्य प्रदेश को नया राज्यपाल मिलेगा। मंगुभाई पटेल पिछले करीब 15 वर्षों में उन चुनिंदा राज्यपालों में शामिल हैं जिन्होंने मध्य प्रदेश में अपना पूर्ण पांच वर्षीय कार्यकाल पूरा किया है। इससे पहले रामनरेश यादव ने 8 सितंबर 2011 से 7 सितंबर 2016 तक राज्यपाल के रूप में अपना कार्यकाल पूरा किया था।

प्रमोशन में आरक्षण विवाद, हाईकोर्ट में आज होगी सुनवाई

● जबलपुर/ (एजेंसी)

मध्य प्रदेश के बहुचर्चित प्रमोशन में आरक्षण विवाद की तस्वीर लंबे इंतजार के बाद साफ हो गई है। हाईकोर्ट ने इस मामले को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ के समक्ष मंगलवार, 7 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

आधिकारिक कॉज लिस्ट जारी होने के बाद कर्मचारियों और अधिवक्ताओं के बीच चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। युगलपीठ की सूची में यह मामला 17वें क्रम पर है और इसकी सुनवाई प्रथम सत्र में होने की संभावना है। यह मामला 17 फरवरी 2026 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ द्वारा सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखे जाने के बाद से लंबित है। बाद में न्यायमूर्ति सराफ का इंदौर खंडपीठ में स्थानांतरण हो गया, जबकि मुख्य न्यायाधीश सचदेवा सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश नियुक्त हो गए। इसके बाद सुरक्षित निर्णय 90 दिनों के भीतर सुनाए जाने संबंधी सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को लेकर भी व्यापक चर्चा रही।

युगलपीठ के समक्ष सूचीबद्ध हुआ मामला

बड़ा दावा इलाहाबाद हाईकोर्ट में दायर की गई याचिका, ताज महल में भगवान श्री अग्रेश्वर महादेव नागनाथेश्वर विराजमान

क्या तेजो महालय था ताज महल, केंद्र और ASI दे जवाब

● प्रयागराज / (एजेंसी)

इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल कर अंतरराष्ट्रीय धरोहर ताजमहल का निरीक्षण करने और उसके अंदर की तस्वीरें लेने के लिए एक एडवोकेट कमिश्नर अपॉइंट करने की मांग की गई है। यह अर्जी एक पेंडिंग सिविल केस के सिलसिले में है, जिसमें दावा किया गया है कि यह स्मारक असल में तेजो महालय था, जो भगवान शिव को समर्पित एक हिंदू मंदिर है। जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल ने सोमवार (6 जुलाई) को इस मामले में केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) से जवाब मांगा है और उन्हें काउंटर-एफिडेविट फाइल करने का निर्देश दिया।

यह याचिका आगरा जनपद न्यायालय के उन आदेशों के खिलाफ दायर की गई है जिसमें दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) और अपर जिला न्यायाधीश ने विवादित परिसरों का सर्वेक्षण करने के लिए एक अधिवक्ता आयोग गठित करने का आदेश पारित करने से इनकार कर दिया था। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने दलील दी कि अधिवक्ता आयोग गठित करने और विवादित परिसरों की फोटोग्राफी के लिए उनका आवेदन गलत ढंग से खारिज किया गया, तथा इसके बाद पुनरीक्षण याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी गई कि यह सुनवाई योग्य नहीं है, यद्यपि विवाद पर निर्णय के लिए यह आवश्यक है।

एक अधिवक्ता आयोग गठित करने की मांग

इस वाद के लंबित रहने के दौरान एक अधिवक्ता आयोग गठित करने के लिए आवेदन किया गया, लेकिन जनपद न्यायालय की दोनों अदालतों ने इस पर आदेश पारित करने से इनकार कर दिया जिसे मौजूदा याचिका में चुनौती दी गई है। यह याचिका भगवान श्री अग्रेश्वर महादेव नागनाथेश्वर विराजमान तेजो महालय मंदिर और हरि शंकर जैन एवं चार अन्य लोगों द्वारा दायर की गई है जिसमें केंद्र सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और दो अन्य प्रतिवादी पक्षकार हैं।

ताजमहल का निरीक्षण जरूरी: याचिकाकर्ता

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ताजमहल की बनावट और संरचना से जुड़ी उन विशेषताओं का दस्तावेजीकरण करने के लिए उसका निरीक्षण जरूरी है, जो उनके दावे का समर्थन करती हैं। उनका तर्क है कि ऐसे सबूतों को सिर्फ़ जुबानी गवाही से असरदार ढंग से साबित नहीं किया जा सकता। चूंकि ताजमहल एएसआई के कंट्रोल में एक संरक्षित स्मारक है, इसलिए उनका कहना है कि वे उन हिस्सों तक खुद नहीं पहुंच सकते या उनकी तस्वीरें नहीं ले सकते, जिनका ज़िक्र वे ट्रायल कोर्ट में करना चाहते हैं। इसी वजह से याचिकाकर्ताओं ने 2017 में एक अर्जी दी थी, जिसमें ताजमहल का निरीक्षण करने, उसकी तस्वीरें और वीडियो लेने और ट्रायल कोर्ट में रिपोर्ट जमा करने के लिए एक एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त करने की मांग की गई थी।

सिया ने वारदात से पहले नेट से राजा हत्याकांड की जानकारी जुटाई थी

● पुणे/ (एजेंसी)

पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड में अब नई जानकारी सामने आई है। हत्या की मुख्य आरोपी सिया गोयल के दोनों मोबाइल की सर्च हिस्ट्री से यह जानकारी मिली है कि उसने केतन हत्याकांड की वारदात से पहले इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड की जानकारी जुटाई थी। पुलिस के मुताबिक सिया ने इंटरनेट पर यह भी सर्च किया था कि क्या पुलिस कस्टडी में महिलाओं के साथ मारपीट होती है। आरोप है कि 18 जून को सिया और चेतन ने केतन को पुणे के लोहगढ़ किले से 400 फीट गहरी खाई में धक्का दे दिया था। फिलहाल दोनों 16 जुलाई तक येरवदा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस 2 दिन पहले सिया को उसके घर लेकर गई थी, जहां उसके बेडरूम से दूसरा मोबाइल भी जब्त किया है। घटना वाले दिन के कुछ चश्मदीद भी मिले हैं, जिनके बयान जांच को और मजबूत कर रहे हैं। वहीं सिया गोयल के पिता ने अश्लील इशारे के दावों को खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि वायरल वीडियो का गलत मतलब निकाला गया। यह विवाद एक वायरल वीडियो से शुरू हुआ, जिसमें पुलिस की हिरासत में ले जाते समय सिया आपत्तिजनक इशारा करती हुई दिखाई दी। उनके मुताबिक पुलिस जब सिया को घर ला रही थी, तब कार का दरवाजा बंद होने से उसकी दो उंगलियों में चोट लग गई थी।

पुलिस को मोबाइल हिस्ट्री से मिली जानकारी

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

कोटक महिंद्रा बैंक	3.89 प्रतिशत
टीसीएस	1.68 प्रतिशत
बजाज फिनसर्व	1.30 प्रतिशत
पावरग्रिड	0.89 प्रतिशत
अडानी पोर्ट्स	0.55 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,47,360
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,38,216
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.46	93.41
पौंड स्टर्लिंग	128.28	123.69
यूरो	110.30	106.13
चीन युआन	14.92	13.19

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

गल्फ देशों की मांग पर नारियल का निर्यात बढ़ा

■ पिछले कई महीनों से प्रभावित था कारोबार
■ किसानों व निर्यातकों को मिली बड़ी राहत

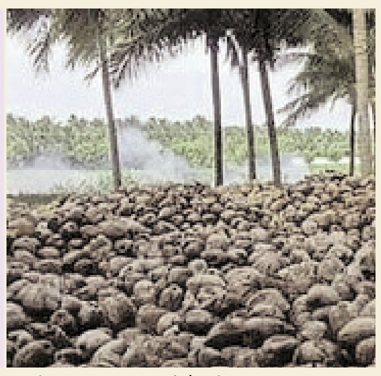

कोयंबटूर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के सबसे बड़े नारियल उत्पादन क्षेत्र पोलाची से नारियल के निर्यात में फिर से तेजी आने के संकेत मिल रहे हैं। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने और खाड़ी देशों से मांग दोबारा बढ़ने से किसानों और निर्यातकों को बड़ी राहत मिली है। पिछले कई महीनों से कारोबार प्रभावित था, लेकिन अब स्थिति में सुधार दिखाई दे रहा है।

खाड़ी देशों के प्रमुख बाजारों से नारियल निर्यात के लिए नई पूछताछ आने लगी है। इससे विदेशी व्यापार फिर से पटरी पर लौट रहा है, जो पश्चिम एशिया में संघर्ष के दौरान लगभग पूरी तरह ठप हो गया था। पोलाची से बड़ी मात्रा में नारियल खाड़ी देशों में निर्यात किया जाता है। लेकिन पिछले तीन महीनों में निर्यात में भारी गिरावट आई, जिससे व्यापारियों और किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ा।

हालांकि, नारियल का निर्यात फिर से शुरू हो गया है, लेकिन इस क्षेत्र के सामने अभी भी कई चुनौतियां हैं। संघर्ष के दौरान माल ढुलाई का किराया काफी बढ़ गया था। अब इसमें कुछ कमी आई है, लेकिन यह अभी भी सामान्य से काफी ज्यादा है। शिपिंग का खर्च बढ़ने और माल की ढुलाई में देरी होने से निर्यातकों को भारी नुकसान हुआ। कई खेपें अपनी मंजिल तक पहुंचने से पहले ही खराब हो गईं। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को उम्मीद है कि मांग बढ़ने के साथ आने वाले हफ्तों में नारियल का निर्यात धीरे-धीरे पहले की तरह सामान्य हो जाएगा। इस रुकावट से पहले पोलाची के निर्यातक कोच्चि बंदरगाह के जरिए हर दिन नारियल से भरे कई कंटेनर खाड़ी देशों में भेजते थे। लेकिन पिछले करीब तीन महीनों तक बंदरगाह से निर्यात का काम लगभग ठप रहा।

निर्यात लंबे समय तक बंद रहने से घरेलू बाजार में नारियल की सप्लाई बढ़ गई। इससे नारियल की कीमतों में भारी गिरावट आई। पिछले साल इसी समय नारियल का भाव करीब 65,000 रुपये प्रति टन था, जो अब घटकर लगभग 40,000 रुपये प्रति टन रह गया है। इस साल बंपर पैदावार से बाजार में नारियल की आवक बढ़ गई, जिससे कीमतों पर और दबाव पड़ा। हालांकि, मजदूरों की कमी के कारण कीमतें इससे ज्यादा नहीं गिरीं। प्रवासी मजदूर कम होने से पूरे इलाके में नारियल तोड़ने और छीलने का काम प्रभावित हुआ है। इसके कारण नारियल बाजार तक धीमी रफ्तार से पहुंच रहे हैं।

किसानों को उम्मीद है कि कटाई का मौसम खत्म होने से पहले, अगले दो महीनों तक ज्यादा पैदावार होती रहेगी। हालांकि, अगले साल की फसल को लेकर अभी से चिंताएं सामने आ रही हैं।

भारत-जापान के बीच हुई पहली रक्षा सह-विकास डील

■ अब भारत में बनेंगे यूनिकॉर्न नौसैनिक कम्युनिकेशन मास्ट

नई दिल्ली। भारत और जापान ने रक्षा क्षेत्र में संयुक्त रूप से उपकरण विकसित करने के लिए अपना पहला द्विपक्षीय समझौता किया है, जिसे दोनों देशों के बीच तेजी से मजबूत हो रही रणनीतिक और सुरक्षा साझेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जापान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस समझौते के तहत पहला संयुक्त प्रोजेक्ट यूनिकॉर्न (यूनिफाइड कॉम्प्लेक्स रेडियो एंटीना) शिपबोर्न कम्युनिकेशन मास्ट के विकास और लाइसेंस प्राप्त उत्पादन पर केंद्रित होगा। यह एक अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड मास्ट सिस्टम है, जिसे जापान की एनईसी कॉर्पोरेशन ने विकसित किया है। इस समझौते के तहत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) जापानी साझेदारों के सहयोग से इस सिस्टम का निर्माण भारत में करेगी। जापान इस परियोजना के लिए डिजाइन और मुख्य तकनीक उपलब्ध कराएगा, जबकि केंद्र सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत भारत सिस्टम इंटीग्रेशन, स्थानीयकरण और उत्पादन का कार्य करेगा। हालांकि यूनिकॉर्न सिस्टम मूल रूप से एनईसी ने विकसित किया है, लेकिन भारत इसमें अपने स्वदेशी सेंसर और एंटीना भी जोड़ेगा, ताकि इसे भारतीय नौसेना के युद्धपोतों पर तैनात किया जा सके। भविष्य में यह इंटीग्रेटेड मास्ट भारतीय नौसेना के मौजूदा संचार और सेंसर मास्ट सिस्टम की जगह लेगा।

नेक्स्ट भारत वेंचर्स ने 2,000 करोड़ का इम्पैक्ट वेंचर फंड किया लॉन्च

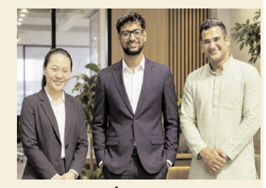

नई दिल्ली 6 जुलाई (एजेंसियां)। नेक्स्ट भारत वेंचर्स आईएफएससी प्राइवेट लिमिटेड ने आज 2,000 करोड़ रुपये के अपने दूसरे फंड की शुरुआत की घोषणा की। इसके साथ ही यह भारत के सबसे बड़े इम्पैक्ट-केंद्रित वेंचर फंडों में शामिल हो गया है। यह नया फंड ग्रामीण भारत तथा प्रवासी और शहरी वंचित समुदायों के जीवन स्तर और सतत आजीविका में सुधार लाने वाले 'इम्पैक्ट उद्यमियों' को बड़े पैमाने पर समर्थन प्रदान करेगा। नेक्स्ट भारत वेंचर्स एक दो वर्ष पुरानी संस्था है, जो कृषि, ग्रामीण आपूर्ति श्रृंखला, वित्तीय समावेशन, स्वास्थ्य सेवा, ग्रामीण गतिशीलता और सामाजिक हित के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित है। यह पहल आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप है। इसका उद्देश्य ऐसे स्थानीय उद्यमों को बढ़ावा देना है जो रोजगार सृजित करें, किसानों की आय बढ़ाएँ, ग्रामीण मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करें और महिला नेतृत्व वाले उद्यमों को प्रोत्साहित करें। यह लॉन्च नेक्स्ट भारत के पहले 340 करोड़ रुपये के फंड की सफलता पर आधारित है, जिसने यह साबित किया कि ग्रामीण और असंगठित अर्थव्यवस्था की वास्तविक समस्याओं को हल करने वाले उद्यमियों के लिए दीर्घकालिक और धैर्यपूर्ण पूंजी निवेश का मॉडल सफल हो सकता है। अब तक नेक्स्ट भारत ने 50 से अधिक इम्पैक्ट स्टार्टअप्स का समर्थन किया है और उनमें से 20 से अधिक में पूंजी, मार्गदर्शन और इकोसिस्टम सहयोग के माध्यम से निवेश किया है। इनमें से कई स्टार्टअप्स ने जापान की कंपनियों के साथ व्यावसायिक पायलट परियोजनाएँ भी शुरू की हैं।

सोने-चांदी में हुई मिश्रित कारोबार

मुंबई, 6 जुलाई (एजेंसियां)। सोने और चांदी की शुरुआत सोमवार को मिश्रित हुई। एक तरफ सोने करीब सपाट कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी में करीब आधा प्रतिशत की गिरावट देखी जा रही थी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के 5 अगस्त 2026 के कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,47,378 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,47,135 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। सुबह 9:52 पर यह 101 रुपए या 0.07 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 1,47,277 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,47,135 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,47,509 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर बनाया था। यह दिखाता है कि कीमती धातु एक सीमित दायरे में कारोबार कर रही थी। चांदी का 4 सितंबर 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,37,410 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 1,017 रुपए या 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,36,393 रुपए प्रति किलो पर खुला। फिलहाल यह 1,267 रुपए या 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,36,143 रुपए प्रति किलो पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,36,001 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,37,676 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी में तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 1.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,173.24 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी 2.02 प्रतिशत की तेजी के साथ 62.29 डॉलर प्रति औंस पर थी।

प्रमुख सूचकांक ढाई महीने के उच्चतम स्तर पर

■ सेंसेक्स 0.67 प्रतिशत चढ़कर 78,285.07 अंक पर रहा
■ निफ्टी 0.66 प्रतिशत ऊपर 24,430.35 अंक पर रहा

मुंबई, 6 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार चौथे दिन तेजी रही और प्रमुख सूचकांक ढाई महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। मजबूत निवेश धारणा के दम पर बीएसई का सेंसेक्स 521.16 अंक (0.67 प्रतिशत) चढ़कर 78,285.07 अंक पर पहुंच गया। यह इस साल 22 अप्रैल के बाद का इसका उच्चतम स्तर है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 159.50 अंक यानी 0.66 प्रतिशत ऊपर 24,430.35 अंक पर बंद हुआ। यह 21 अप्रैल के बाद इसका सबसे ऊंचा बंद स्तर है। वृहत बाजार में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.45 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.75 प्रतिशत की बढ़त में रहा। ऑटो, धातु, रियल्टी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, तेल एवं गैस, रसायन, निजी बैंक और फार्मा सेक्टरों में तेजी रही। आईटी, सार्वजनिक बैंक और मीडिया सेक्टरों के सूचकांक गिरावट में रहे। एनएसई में जिन 3,462 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1578 में तेजी और 1,769 में गिरावट रही। अन्य 115 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 16 के शेयर हरे निशान में रहे। एचडीएफसी बैंक का शेयर 3.59 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा का 2.02 प्रतिशत की बढ़त में रहा। बीईएल का शेयर 1.79 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.31 और आईसीआईसीआई बैंक का 1.12 प्रतिशत चढ़ा।

सार संक्षेप

एस्सार एनर्जी ने पेट्राको के साथ साझेदारी को किया रिन्यू

स्टैनलो। एस्सार एनर्जी ट्रांजिशन ने कहा कि उसने एस्सार एनर्जी ट्रांजिशन फ्यूल्स और पेट्राको ऑयल कंपनी एसए के बीच 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर की क्रूड सुविधा को सफलतापूर्वक रिन्यू कर लिया है। यह कंपनी के प्रदर्शन, बाजार में उसकी स्थिति और रणनीतिक महत्व पर बाजार के भरोसे को दर्शाता है। यूके की स्टैनलो रिफाइनरी की मालिक और ऑपरेटर, एस्सार एनर्जी ट्रांजिशन फ्यूल्स, निवेश के लिहाज से एक अहम साल के बाद शानदार कमर्शियल परफॉर्मेंस दिखा रही है। साथ ही, एस्सार एनर्जी ट्रांजिशन फ्यूल्स ने अधिग्रहण के बाद से अब तक की सबसे ज्यादा घरेलू बिक्री और प्रोडक्शन का आंकड़ा भी हासिल किया है। कंपनी कम-कार्बन वाले एनर्जी सॉल्यूशन और अपनी इंडस्ट्रियल संपत्तियों को डीकार्बोनाइज करने में निवेश कर रही है। कंपनी ने 300 मिलियन डॉलर की तीन साल की स्ट्रैटेजिक क्रूड और प्रोडक्ट सुविधा को रिन्यू किया है। यह डील एक अहम कदम है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आयोजित कर रहा हैकाथन

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (रोपड़) के कृषि संबंधी कृत्रिम मेधा (एआई) उत्कृष्टता केंद्र अन्नम.एआई ने देश के किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए एआई आधारित समाधान विकसित करने के उद्येश से राष्ट्रीय एआई हैकाथॉन 'हैक कोर 2026' आयोजित करने की घोषणा की है। संस्थान की एक विज्ञप्ति के अनुसार यह आयोजन कृषि प्रौद्योगिकी कंपनी सिंजेन्टा और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल के साथ मिल कर किया जा रहा है।इसके लिए आवेदन आमंत्रित करने का काम शुरू हो चुका है और 21 जुलाई तक आवेदन किये जा सकते है। यह हैकाथन एआई, डेटा विज्ञान, कृषि विज्ञान के विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और शुरुआती तकनीकी पेशेवरों के लिए खुला है। अन्नम.एआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. पुष्पेन्द्र पी. सिंह ने कहा कि आज कृषि तेजी से पारिस्थितिकी की दृष्टि से स्वस्थ और जलवायु-अनुकूल तरीके की ओर बढ़ रही है।

भारत का व्यापक आर्थिक आधार मजबूत

नई दिल्ली। विकासशील बाजारों में भारतीय शेयर बाजार एक अलग तरह के निवेश के मौके के तौर पर उभरा है, देश का व्यापक आर्थिक आधार मजबूत बना हुआ है। ऐसे में अगर निवेशक टेक्नोलॉजी शेयरों से हटकर आगे देखते हैं तो इसका फायदा भारत को मिल सकता है। डीएसपी नेत्र की रिपोर्ट के अनुसार, एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स (ईएम) इंडेक्स 2021 के स्तर पर वापस आ गया है, लेकिन इस तेजी की वजह कुछ ही खास मार्केट और स्टॉक रहे हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि जिन चार मार्केट का इंडेक्स में वेटेज 5 प्रतिशत से ज्यादा है, उनमें से भारत का वैल्यूएशन उसके लंबे समय के औसत वैल्यूएशन से 2.39 प्रतिशत कम है। इसके उलट, ताइवान और दक्षिण कोरिया क्रमशः लगभग 85 प्रतिशत और 71 प्रतिशत के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से 104 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड जुड़े : सरकार

■ एबीडीएम ने दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल स्वास्थ्य नेटवर्क में बना ली अपनी जगह

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य पहल आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) ने दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल स्वास्थ्य नेटवर्क में अपनी जगह बना ली है। सरकार द्वारा सोमवार को जारी एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, अब तक 104 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड को 93 करोड़ से ज्यादा आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए) से जोड़ा जा चुका है।

फैक्टशीट के अनुसार, यह मिशन नागरिकों को केंद्र में रखकर एक डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित कर रहा है। इसके जरिए मरीज अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को सुरक्षित तरीके से प्रबंधित कर सकते हैं, अस्पतालों में कागजी प्रक्रिया कम होती है, पंजीकरण और इलाज के लिए इंतजार का समय घटता है तथा मरीजों, अस्पतालों, डॉक्टरों और बीमा कंपनियों के बीच एकीकृत डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से बेहतर समन्वय स्थापित होता है।

सितंबर 2021 में शुरू किए गए आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का उद्देश्य देश भर में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लिए आवश्यक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना है, ताकि स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ, प्रभावी और आपस में जुड़ी हुई (इंटरऑपरेबल) बन सकें।

मिशन के तहत आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए) प्रत्येक नागरिक के लिए एक विशिष्ट डिजिटल हेल्थ आईडी के रूप में काम करता है। मरीज की सहमति के आधार पर यह आईडी उसके मेडिकल रिकॉर्ड को अस्पतालों, प्रयोगशालाओं, बीमा कंपनियों और विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों से सुरक्षित रूप से जोड़ती है।

सरकार ने हाल ही में आरोग्य सेतु 2.0 को भी एबीडीएम के तहत नागरिकों के लिए एक डिजिटल स्वास्थ्य एप्लिकेशन के रूप में लॉन्च किया है, जिसके जरिए उपयोगकर्ता एबीएचए अकाउंट बना सकते हैं, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड का प्रबंधन कर सकते हैं, टेली-कंसल्टेशन और अस्पताल की अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं, बीमा संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, आसपास की स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ले सकते हैं और वियरेबल डिवाइस के जरिए अपने स्वास्थ्य की निगरानी भी कर सकते हैं। फैक्टशीट में आगे कहा गया है कि नेशनल हेल्थ अथॉरिटी (एनएचए) की 'स्कैन एंड शेयर' सेवा ने अस्पतालों में ओपीडी पंजीकरण की प्रक्रिया को काफी तेज बना दिया है। 18 जून तक देश भर के स्वास्थ्य संस्थानों में 23.21 करोड़ से अधिक एबीएचए-लिंक्ड डिजिटल टोकन जारी किए जा चुके थे।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के जरिए ईपीएफओ पोर्टल पर हो सकेगा पीएफ भुगतान

नई दिल्ली 6 जुलाई (एजेंसियां)। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के तहत काम करने वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के साथ जुड़कर पीएफ भुगतान सेवा शुरू कर दी है। इस सुविधा के जरिए संस्थान अब ईपीएफओ पोर्टल से सीधे पीएफ भुगतान शुरू कर सकते हैं और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के रिटेल और कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म के जरिए आसानी से भुगतान पूरा कर सकते हैं। यह पूरी प्रक्रिया सुरक्षित और पूरी तरह डिजिटल है। इसमें रियल-टाइम ट्रांजैक्शन की पुष्टि, इस्तेमाल में आसान इंटरफेस और रिकॉर्ड रखने व मिलान के लिए तुरंत चालान डाउनलोड करने की सुविधा भी मिलती है। इस लॉन्च के बारे में बात करते हुए, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के हेड-रिटेल लाइबिलिटीज़, आशीष सिंह ने कहा, 'हम समझते हैं कि हर कारोबार के लिए समय पर वैधानिक भुगतान करना बेहद जरूरी होता है और हमारा मानना है कि यह प्रक्रिया आसान और बिना किसी परेशानी के होनी चाहिए। ईपीएफओ के साथ हमारी इस नई सुविधा के जरिए ग्राहक अब आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर तेज़ी, सुरक्षा और आसानी से पीएफ का भुगतान कर सकेंगे। यह बैंकिंग को और सरल बनाने की हमारी लगातार कोशिश का हिस्सा है, ताकि ग्राहकों का समय बचे, मेहनत कम हो और उन्हें बेहतर अनुभव मिल सके। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक उन चुनिंदा बैंकों में शामिल है, जिन्हें प्रत्यक्ष कर, जीएसटी, कस्टम ड्यूटी और ईपीएफओ से जुड़े वैधानिक भुगतान की सुविधा देने की अनुमति मिली है। इसके जरिए ग्राहकों को अपनी सभी बैंकिंग जरूरतों के लिए एक ही एकीकृत प्लेटफॉर्म पर कई तरह की सुविधाएँ मिलती हैं। ईपीएफओ से जुड़ने के बाद कारोबार अब पूरे साल आसानी से डिजिटल माध्यम से पीएफ भुगतान कर सकेंगे।

IDFC FIRST Bank

चावल, गेहूं कड़क, चीनी नरम, दालों व खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। चावल के साथ गेहूं में भी तेजी रही जबकि चीनी का भाव टूट गया। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 22 रुपए चढ़कर 3,939 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं आठ रुपए महंगा हुआ और 2,806 रुपए प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत पांच रुपए गिर गई।

मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा 70 रिंगिट चढ़कर 4,550 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 1.86 प्रतिशत की बढ़त में 66.65 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया।

स्थानीय बाजार में मूंगफली तेल की औसत कीमत 108 रुपए और पाम ऑयल की 41 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गई। सरसों तेल 18,346.92 रुपए सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल, वनस्पति और सोया तेल की कीमत लगभग गत दिवस के स्तर पर ही पड़ी रही।

मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 66 रुपए प्रति क्विंटल टूट गया। चीनी भी 15 रुपए सस्ती हुई।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** दाल चना 7754.48 रुपए, मसूर काली 8165.16 रुपए, मूंग दाल 10129.94 रुपए, उड़द दाल 10946.25 रुपए, तुअर दाल 11273.33 रुपए प्रति क्विंटल रही। **अनाज :** (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2805.66 रुपए और चावल 3939.24 रुपए प्रति क्विंटल और आटा 3252.51 रुपए प्रति क्विंटल रहा।

क्या होता है जब बड़े बैंक पब्लिक ब्लॉकचेन से जुड़ते हैं

नई दिल्ली 6 जुलाई (एजेंसियां)। कल्पना कीजिए कि एक बहुत बड़ी पब्लिक नोटबुक है, जिसे दुनिया का कोई भी व्यक्ति पढ़ सकता है और उसमें जानकारी जोड़ सकता है, लेकिन उसका मालिक कोई एक व्यक्ति, कंपनी या सरकार नहीं है। दुनिया के अलग-अलग देशों में बैठे हजारों लोग मिलकर इस नोटबुक को लगातार अपडेट करते हैं और एक बार जो जानकारी इसमें दर्ज हो जाती है, उसे आसानी से बदला या मिटाया नहीं जा सकता। आसान शब्दों में यही पब्लिक ब्लॉकचेन है और बिटकॉइन और एथेरियम इसके सबसे प्रसिद्ध उदाहरण हैं।

कई वर्षों तक पब्लिक ब्लॉकचेन का इस्तेमाल मुख्य रूप से क्रिप्टो की खरीद-बिक्री करने वाले लोगों तक ही सीमित था। लेकिन अब यह स्थिति धीरे-धीरे बदल रही है। आज बड़े और सख्त नियमों के तहत काम करने वाले बैंक भी यह सोचने लगे हैं कि क्या वे इन खुले ब्लॉकचेन का उपयोग पैसे भेजने और डिजिटल करेंसी जारी करने के लिए कर सकते हैं। हाल ही में डिजिटल करेंसी इनिशिएटिव की एक रिपोर्ट ने इसी सवाल पर विस्तार से चर्चा की है और बताया है कि इस रास्ते में अभी कौन-कौन सी बड़ी रुकावटें मौजूद हैं। आमतौर पर किसी बैंक का पूरा रिकॉर्ड उसके अपने कंप्यूटर, अपने डेटा सेंटर और अपने कर्मचारियों के नियंत्रण में होता है। बैंक हर चीज़ पर पूरी तरह नियंत्रण रखता है। लेकिन पब्लिक ब्लॉकचेन इसकी बिल्कुल विपरीत व्यवस्था है। यहां रिकॉर्ड एक खुले नेटवर्क पर मौजूद होते हैं, जिन्हें दुनिया भर के अनजान लोग मिलकर संभालते हैं और किसी एक व्यक्ति या संस्था का उन पर नियंत्रण नहीं होता। पूरी तरह नियंत्रण में काम करने के आदी बैंकों के लिए यह व्यवस्था नई और चुनौतीपूर्ण है। रिपोर्ट का कहना है कि इसी वजह से कुछ ऐसी समस्याएं सामने आती हैं जिन्हें बैंक अकेले हल नहीं कर सकते। रिपोर्ट में ऐसी ही चार प्रमुख चुनौतियों का जिक्र किया गया है। पहली चुनौती है 'फ्रंट-रनिंग' पब्लिक ब्लॉकचेन पर किसी लेन-देन के पूरा होने से पहले ही उसकी जानकारी दूसरे लोगों को दिखाई देने लगती है। ऐसे में कोई व्यक्ति उस जानकारी का फायदा उठाकर अपना लेन-देन पहले कर सकता है और मुनाफा कमा सकता है। इसे ऐसे समझिए जैसे टिकट खरीदने की लाइन में कोई व्यक्ति देख ले कि आप आखिरी टिकट लेने वाले हैं और वह आपसे पहले लाइन में घुसकर टिकट खरीद ले। दूसरी समस्या है 'सेंसरशिप'। पब्लिक ब्लॉकचेन पर लेन-देन दर्ज करने वाले लोग किसी खास ट्रांजैक्शन को जानबूझकर रोक सकते हैं या उसे देर से दर्ज कर सकते हैं। यह ठीक वैसे ही है जैसे कोई डाकिया कुछ चिट्ठियां जानबूझकर समय पर न पहुंचाए। अगर किसी आपात स्थिति में बैंक को तुरंत भुगतान करना हो, तो ऐसी देरी उसके लिए नुकसानदायक हो सकती है। तीसरी चुनौती 'अनचाहे टोकन' की है। पब्लिक ब्लॉकचेन पर कोई भी व्यक्ति बिना पूछे किसी बैंक के डिजिटल खाते में टोकन भेज सकता है।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें ■ मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर ■ भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

नॉर्वे ने किया बड़ा उलटफेर, 5 बार की चैंपियन ब्राजील को हराया

34 वर्ष के नेमार ने इंटरनेशनल फुटबाल से लिया संन्यास, टीम की हार पर हुए भावुक

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में इस बार रोमांच के साथ ही बहुत बड़े उलटफेर देखने को मिल रहे हैं। किसी भी टीम को कमजोर समझना दिग्गज खिलाड़ियों वाली टीमों को भारी पड़ रहा है। सोमवार को नॉर्वे ने नॉकआउट मुकाबले में 5 बार की चैंपियन ब्राजील को 2-1 से पराजित कर बाहर का रास्ता दिखा दिया। नॉर्वे पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है। अब उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार ने हार के बाद भावुक हो गए और संन्यास का ऐलान किया। नेमार ने अमेरिका के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में ब्राजील की ओर से एकमात्र गोल किया। नॉर्वे की ओर से दोनों गोल एरलिंग हालैंड ने दागे।

34 साल के नेमार ने मैच के बाद बेहद भावुक शब्दों में कहा, मैंने बहुत कोशिश की, मैंने हर संभव प्रयास किया। लेकिन अब यह सफर खत्म हो चुका है। मैंने इसी अमेरिका की सरजमीं से अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की थी और यहीं पर इसे खत्म कर रहा हूं। नेमार के इस बयान के साथ ही ब्राजील के लिए एक युग का अंत हो गया है। किसी ने सोचा तक नहीं होगा कि नेमार के लिए इस तरह से इंटरनेशनल करियर का अंत होगा। ब्राजील के पास पहले हाफ में 15वें मिनट के करीब बढ़त लेने का मौका मिला। वीडियो असिस्ट रीव्यू यानी वीएआर के बाद टीम को पेनल्टी मिली, लेकिन ब्रूनो गुइमारेस का शॉट नॉर्वे के गोलकीपर ऑर्जन नीलैंड ने डाइव लगाकर रोक दिया।

आखिरी मैच में नेमार ने किए एक गोल

इंजरी टाइम के 10वें मिनट में नेमार ने पेनल्टी पर गोल कर स्कोर 2-1 जरूर किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। यह गोल सिर्फ हार का अंतर कम कर सका। ब्राजील 1990 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप से इतने शुरुआती चरण में बाहर हुआ।

मैक्सिको फीफा वर्ल्ड कप से हुआ बाहर

मेजबान मैक्सिको को इंग्लैंड ने 3-2 से हराकर बहुत बड़ा झटका दिया। मेजबान टीम का शीर्ष 16 में ही सफर खत्म हो गया है। मैक्सिको 1986 के बाद आठवीं बार प्री-क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाया। इंग्लैंड ने मैक्सिको को हराकर लगातार तीसरी बार क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। दूसरे हाफ में जरेल क्वांसा के रेड कार्ड के बाद इंग्लैंड ने करीब 35 मिनट 10 खिलाड़ियों के साथ खेला, लेकिन बढ़त बरकरार रखी।

नेमार की उपलब्धियां

कुल मैच	इंटरनेशनल गोल	असिस्ट
130	80 (ब्राजील के इतिहास में सबसे ज्यादा)	59

रियो में दिलाया गोल्ड

साल 2013 में फीफा कॉन्फेडरेशन कप का खिताब जीता और रियो 2016 ओलंपिक खेलों में अपनी कप्तानी में ब्राजील को ऐतिहासिक ओलंपिक गोल्ड मेडल दिलाया।

अमेरिकी फुटबॉलर का निलंबन रद्द, ट्रंप के सामने झुका फीफा

फीफा वर्ल्ड कप के नियमों की निष्पक्षता पर छिड़ी बहस

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दौरान अमेरिका के स्टार स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन को मिले रेड कार्ड को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनुचित बताया और खुलकर अपने देश के खिलाड़ी का समर्थन किया। ट्रंप ने कहा कि बालोगुन अमेरिका के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्हें अगले मैच से बाहर करना पूरी तरह अनुचित है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में ट्रंप ने कहा कि जब उन्हें बताया गया कि रेड कार्ड मिलने के बाद खिलाड़ी अगले मैच में नहीं खेल सकता, तो उन्हें यह फैसला बेहद अन्यायपूर्ण लगा। उन्होंने कहा, बालोगुन हमारा सबसे बेहतरीन खिलाड़ी है। उसे रेड कार्ड मिला. मुझे पहले नहीं पता था कि इसका मतलब क्या होता है, लेकिन बाद में पता चला कि वह अगला मैच नहीं खेल पाएगा। मीडिया से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि यह फाउल नहीं था, बल्कि दो खिलाड़ी पूरी रफ्तार से दौड़ते हुए आपस में टकरा गए थे। उन्होंने रेफरी के फैसले को संदिग्ध बताते हुए कहा कि बालोगुन ने कुछ भी गलत नहीं किया था और वह अमेरिकी टीम के सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने खुलासा किया कि उन्होंने इस मामले को लेकर फीफा से संपर्क किया और फैसले की समीक्षा करने का अनुरोध किया। ट्रंप ने कहा कि मैंने फीफा से इस फैसले की समीक्षा करने के लिए कहा। ट्रंप ने सवाल उठाते हुए कहा कि किसी खिलाड़ी को उस मैच के लिए कैसे दंडित किया जा सकता है जो अभी खेला ही नहीं गया है। उन्होंने कहा, यह बहुत अनुचित है। आप किसी खिलाड़ी को ऐसे मैच के लिए कैसे सजा दे सकते हैं जो अभी हुआ ही नहीं है?

बेल्जियम फुटबॉल संघ ने किया फैसले का विरोध

फीफा के इस फैसले का बेल्जियम फुटबॉल संघ (आरबीएफए) ने कड़ा विरोध किया है। संघ ने अपने बयान में कहा कि वह अमेरिका-बेल्जियम मैच से पहले बालोगुन को खेलने की अनुमति दिए जाने के फैसले से हैरान है और अपने हितों की रक्षा के लिए सभी कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा है। वहीं अमेरिकी सीनेटर टेड क्रूज ने भी ट्रंप के हस्तक्षेप की सराहना की। उन्होंने रेड कार्ड को बेतुका बताते हुए कहा कि ट्रंप ने शानदार काम किया है और अमेरिका के हितों की रक्षा की है। अब यह मामला सिर्फ खेल तक सीमित नहीं रह गया है। फीफा के फैसले ने वर्ल्ड कप के बीच खेल, राजनीति और नियमों की निष्पक्षता पर नई बहस छेड़ दी है।

सीरीज में बराबरी करने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा टी20 आज रात दस बजे से

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम को टी20 मैच में पहली जीत का इंतजार है। आयरलैंड में 2 मैच गंवाने के बाद इंग्लैंड दौरे पर भी अभी जीत का खाता नहीं खुला है। पहला मुकाबला बारिश के चलते नतीजे तक नहीं पहुंच पाया था। दूसरे मैच में 191 रन का लक्ष्य देने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा। अब 7 जुलाई को ट्रेंट ब्रिज में तीसरी भिड़ंत होने वाली है।स्पिनर रवि बिश्नोई को बाहर किया जा सकता है। उनका एक ओवर भारत की हार का मुख्य कारण बना था। इंग्लैंड के लिए 191 रन का लक्ष्य चुनौतीपूर्ण था। लेकिन बिश्नोई के एक ओवर ने बाजी पूरी तरह से पलट दी।

प्लेइंग-इलेवन इस प्रकार है

भारत: अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव।

इंग्लैंड: फिल सॉल्ट, जोस बटलर (विकेटकीपर), हैरी ब्रूक (कप्तान), जैकब बेथेल, टॉम बेंटन, सैम करन, विल जैक्स, लियाम डॉवसन, जोश टंग, आदिल राशिद, जोफ्रा आर्चर।

अमार्या बजाज बने डच जूनियर ओपन चैंपियन

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय स्क्वैश के उभरते सितारे अमार्या बजाज ने डच जूनियर ओपन 2026 के अंडर-13 वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने इंग्लैंड के शीर्ष वरीय डेनियल स्टीवेन्सन को 3-1 से हराकर चैंपियन बने। अमार्या ने टूर्नामेंट के पहले दौर में मिस्र के खिलाड़ी को 3-0 से हराकर जीत के साथ शुरुआत की। दूसरे दौर में उन्होंने इंग्लैंड के आर्लो स्मिथ को भी सीधे गेमों में 3-0 से मात दी। प्री-क्वार्टर फाइनल में अमार्या ने बड़ा उलटफेर करते हुए सिंगापुर के शीर्ष वरीय केलन लो को 3-0 से हराया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में मिस्र के बद्र हसन को 3-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। सेमीफाइनल में उनका सामना हंगरी के यूरोपियन नंबर-1 एलेक्स कोज़ट्यू से हुआ।

सैमसन टीम से बाहर, वैभव पर जताया भरोसा

2 नए खिलाड़ियों की एंट्री, जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम घोषित

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

आयरलैंड और इंग्लैंड में बल्ले से असफल रहे भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली 3 मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। सोमवार को जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। श्रेयस अय्यर टीम की कप्तानी करेंगे। भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में जीत दिलाने वाले संजू सैमसन को टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। संजू इस समय भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर हैं, जहां उन्हें दूसरे मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला था, उनकी जगह युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को टीम में शामिल किया गया था। सैमसन लगातार तीन मैचों से फ्लॉप हुए थे और इसके बाद उन्हें प्लेइंग-11 से बाहर बैठना पड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे मैच में डेब्यू करने वाले वैभव सूर्यवंशी ने टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। संजू सैमसन ने आयरलैंड के खिलाफ दो मैच और फिर इंग्लैंड के खिलाफ एक मैच में रन नहीं बनाए। सैमसन टी20 वर्ल्ड कप 2026 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे और उसके बाद वे भारत के लिए सिर्फ तीन मैच खेल सके।

भारत के जिम्बाब्वे दौरे का शेड्यूल

पहला टी20	23 जुलाई, हरारे
दूसरा टी20	25 जुलाई, हरारे
तीसरा टी20	26 जुलाई, हरारे

(तीनों मुकाबले भारतीय समयानुसार शाम 4.30 बजे से खेले जाएंगे)

शिवम दुबे वनडे टीम में शामिल

उधर 14 जुलाई से शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में बड़ा फेरबदल हुआ है। चोटिल नीतीश कुमार रेड्डी की जगह ऑलराउंडर शिवम दुबे को टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस बात की जानकारी दी है।

वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार और शिवम दुबे।

अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते 38 पदक

अस्मिता लीग साउथ जोन कैनोइंग एवं कयाकिंग चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश रहा ओवरऑल चैंपियन

● भोपाल / (एजेंसी)

मध्यप्रदेश राज्य कैनोइंग एवं कयाकिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने 4 से 5 जुलाई तक आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम स्थित गंबरमगेड्डा रिजर्वायर में आयोजित अस्मिता लीग साउथ ज़ोन कैनोइंग एवं कयाकिंग चैंपियनशिप-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश को ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव दिलाया। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में कुल 38 पदक अर्जित किए, जिनमें 16 स्वर्ण, 17 रजत एवं 5 कांस्य पदक शामिल हैं। चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश ने सर्वाधिक 38 पदकों के साथ पदक तालिका में प्रथम स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों अन्य राज्यों को पीछे छोड़ते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मध्यप्रदेश राज्य कैनोइंग एवं कयाकिंग अकादमी के सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगी स्टाफ को बधाई दी।

द्रविड़ के बेटे अन्वय का श्रीलंका में तहलका

67 गेंदों में ठोक दिए 87 रन

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ के बेटे अपने पिता की विरासत को संभालने के लिए तैयार हैं। अन्वय द्रविड़ ने भारतीय अंडर-19 टीम की ओर के खेलते हुए श्रीलंका के खिलाफ 87 रन की तूफानी पारी खेली।

उनकी पारी के दम पर टीम इंडिया ने 285 रन का आंकड़ा हासिल किया। भारतीय अंडर-19 टीम श्रीलंका दौरे पर है। दोनों टीमों के बीच 3 मैच की वनडे सीरीज खेली जा रही है। दूसरा वनडे 6 जुलाई को हंबनटोटा में खेला गया। भारत के कप्तान यशबर्धन चौहान ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

अन्वय ने तेजी से बनाए रन

लगातार विकेटों के पतन के बीच लग रहा था कि भारत 200 का स्कोर पार कर लेगा तो गनीमत होगी। लेकिन अन्वय द्रविड़ के इरादे कुछ अलग थे। उन्होंने नंबर-5 पर उतरकर 67 गेंदों में 87 रन की पारी खेली। जिसमें 9 चौके और 1 सिक्स शामिल रहा। अन्वय की बल्लेबाजी ने भारत को रफ्तार दी, जिसकी वजह से 285 रन का आंकड़ा हासिल करना संभव हो पाया।

जैनिक सिनर पांचवीं बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ओसाका ने दुनिया की नंबर-1 सबालेंका को चौंकाया

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 में जापान के क्वालिफायर शिंटारो मोचिजुकी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6(0), 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इसके साथ ही सिनर लगातार पांचवीं बार विंबलडन के अंतिम-8 में जगह बनाने में सफल रहे। वहीं, जापान की स्टार खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने सेंटर कोर्ट पर शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को सीधे सेटों में 6-2, 7-6(2) से हराकर पहली बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

वहीं, सिर्फ एक घंटा 28 मिनट तक चले इस मुकाबले में ओसाका शुरुआत से ही पूरी तरह हावी नजर आईं। उन्होंने दमदार सर्विस और आक्रामक ग्राउंड स्ट्रोक्स से सबालेंका को लय पकड़ने का मौका ही नहीं दिया। ओसाका ने पहले सेट में लगातार दबाव बनाए रखा और 6-2 से आसानी से जीत दर्ज की।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन	रात
113 = 5	558 = 8
135 = 9	356 = 4

शुभांक

दिन	रात
478 = 9	189 = 8
249 = 5	145 = 0

भाग्यांक

3 4 6 9

www.kalyangame.com

मध्यप्रदेश की गौरांशी शर्मा का भारतीय टीम में चयन

● भोपाल / (एजेंसी)

मध्यप्रदेश राज्य बैडमिंटन अकादमी की प्रतिभावान खिलाड़ी गौरांशी शर्मा का चयन मलेशिया एशिया पैसिफिक डेफ बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में हुआ है। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में गौरांशी भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगी। उनका चयन प्रदेश की खेल प्रतिभाओं एवं समावेशी खेल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

उपलब्धि चेन्नई सुपर किंग्स फ्रेंचाइजी की टीम टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ किया कमाल

शनाका ने अमेरिका में चार गेंदों पर झटके 4 विकेट

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

क्रिकेट में हैट्रिक लेने का कारनामा बहुत कम गेंदबाज काम कर पाते हैं। हैट्रिक यानी तीन गेंदों पर लगातार तीन विकेट। श्रीलंका के एक गेंदबाज ने तो इससे भी बढ़कर का काम किया है। दासुन शनाका ने चार गेंदों पर चार विकेट झटक डाले हैं।

अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में सीटल ओर्कस की तरफ से खेल रहे शनाका ने चेन्नई सुपर किंग्स फ्रेंचाइजी की टीम टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ आखिरी ओवर में ये काम कर अपनी

टीम को जीत दिलाई। जीत के लिए टेक्सास को 121 रनों की जरूरत थी, लेकिन ये टीम 20 ओवरों में नौ विकेट खोकर 112 रन ही बना सकी। आखिरी ओवर में शनाका को 15 रन बचाने थे। पहली गेंद पर चौका खाने के बाद शनाका ने वापसी की। दूसरी गेंद पर उन्होंने सिर्फ एक रन दिया और फिर अगली चार गेंदों पर चार विकेट लेकर सुपर किंग्स को हार के मुंह में धकेल दिया।

उन्होंने पहले फेररा को आउट किया जो सेट थे और मैच निकाल सकते थे।

सीटल की तरफ से नहीं लगा अर्धशतक

इस मैच में अगर देखा जाए तो रन बनाने बल्लेबाजों के लिए काफी मुश्किल रहे। सीटल की तरफ से भी कोई अर्धशतक नहीं लग सका। कैमरन गेनन 21 गेंदों पर 20 रनों के साथ टीम के सर्वोच्च स्कोरर रहे। अली शेख ने 18 रन बनाए। शनाका ने भी 16 रनों का योगदान दिया। टेक्सास की तरफ से अमशी डी सिल्वा ने तीन विकेट लिए। एडम मिल्ने के हिस्से दो विकेट आए।

पत्नी आकांक्षा के तलाक के एलान के बाद गौरव खन्ना ने पहली बार तोड़ी चुप्पी

चर्चित एक्टर और रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के विजेता गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला ने लॉकअप सीजन 2 में हिस्सा लिया है। यहां उन्होंने चौंकाने वाला खुलासा किया कि वे और गौरव तलाक ले रहे हैं। आकांक्षा ने यह भी कहा कि वे सालभर से अलग-अलग रहते हैं। पत्नी की तरफ से तलाक की पुष्टि के बाद गौरव खन्ना ने पहली बार इस पर रिएक्शन दिया है।

प्यार किया तो पीछे क्यों हटूं

तलाक की चर्चाओं के बीच गौरव खन्ना 'खतरों के खिलाड़ी' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच एक्टर आज 30 जून को पहली बार 'लाफ्टर शेफ्स' के सेट पर नजर आए। गौरव 'लाफ्टर शेफ्स' के सेट के बाहर पैपराजी को पोज दिए। जैसे ही उन्होंने कैमरे के सामने पोज दिया तो एक फोटोग्राफर ने उनसे पूछा, 'गौरव भाई, क्या हाल हैं'? गौरव ने मुस्कुराते हुए कहा, 'बस यार, वही ,जो पहले था वही हाल है अभी भी। प्यार अभी भी उतना है, सपोर्ट अभी भी उतना है... मैं तो हमें सपोर्ट करूंगा आकांक्षा को, मेरी बीवी है यार। प्यार किया तो पीछे क्यों हटूं'?

हमेशा आकांक्षा के साथ खड़ा हूं

इसके बाद फोटोग्राफर ने पूछा, 'भाई लेकिन कंट्रोवर्सी बहुत ज्यादा हो गई है'। इस पर गौरव ने कहा, 'आकांक्षा को जीवन के लिए शुभकामनाएं। मैं हमेंशा उसके साथ खड़ा हूं और उसको सपोर्ट कर रहा हूं। वो अच्छा खेले और जीत कर आए'।

'लॉकअप सीजन 2' में आकांक्षा के तलाक को लेकर पुष्टि किए जाने के बाद पहली बार सोशल मीडिया पोस्ट भी साझा किया है। गौरव ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं। कैप्शन में वे प्यार की हिमायत करते दिखे हैं। गौरव ने लिखा है, 'लव ऑलवेज'। गौरव खन्ना के इस पोस्ट पर उनके फैंस सपोर्ट कर रहे हैं। नेटिजंस लिख रहे हैं, 'हम आपके साथ हैं। आपको खूब सारा प्यार'।

महिलाओं को सुपरस्टार बनाने में भी की जानी चाहिए उतनी ही मेहनत

सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की कामयाबी से खुश हैं। उन्होंने लंबे वक्त के बाद इस फिल्म में वापसी की है। फिल्म को अच्छे रिव्यू मिले और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, बहुत कम महिला-प्रधान फिल्मों को ऐसी कमर्शियल सफलता मिलती है। हाल ही में सामंथा ने कहा कि फिल्ममेकर्स को महिला सुपरस्टार बनाने के लिए ज्यादा इन्वेस्ट करने की जरूरत है।

पुरुष कलाकारों पर होती है मेहनत

वैरायटी इंडिया से बातचीत में जब सामंथा से पूछा गया कि क्या महिला स्टार्स को ज्यादा फीस के लिए संघर्ष करना पड़ता है? इस पर सामंथा ने कहा 'यह एक बार में एक कदम उठाने जैसा है। मैंने हमेशा यही कहा है, पुरुष सुपरस्टार एक दिन में नहीं बनते। बड़े-से-बड़े पुरुष सुपरस्टार बनाने में समय और मेहनत लगी है। हर फिल्म के साथ, हर डायरेक्टर ने उन्हें भगवान जैसा दर्जा दिलाने के लिए कड़ी मेहनत की है। इसमें समय लगा है।'

डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स को करनी होगी मेहनत

उन्होंने कहा 'मुझे लगता है कि महिला स्टार्स को उतनी मेहनत और समय नहीं दिया जाता। अगर डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स किसी एक्ट्रेस को सुपरस्टार बनाने में उतनी ही मेहनत करें, तो यह मुमकिन हो जाएगा। हमें बस उस समय और इन्वेस्टमेंट की जरूरत है।'

फिल्म ने की अच्छी कमाई

'मां इंटी बंगारम' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत करते हुए पहले दिन 4.85 करोड़ की कमाई की। दो हफ्तों के अंदर, फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपये और दुनिया भर में 80 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की।

बन रहा फिल्म का सीक्वल

विशाखापत्तनम में एक सक्सेस मीट के दौरान, फिल्म के प्रोड्यूसर राज निदिमोरू ने घोषणा की कि इसका सीक्वल पहले से ही बन रहा है।'

'इक्का' के साथ फिर सरप्राइज करेंगी आकांक्षा रंजन

आकांक्षा रंजन अब साफ़ तौर पर ये साबित कर रही हैं कि उन्हें अपने रोल्स के साथ एक्सपेरिमेंट करने से ज़रा भी डर नहीं लगता। हर नए प्रोजेक्ट के साथ वो कुछ ऐसा लेकर आती हैं जो उनके पिछले किरदार से बिल्कुल अलग होता है। इसी के चलते उनकी फिल्मोग्राफी अब एकदम रंग-बिरंगी और वर्सेटाइल बनती जा रही है। हाल ही में 'ग्राम चिकित्सालय सीजन 2' में उन्होंने एक दिल छू लेने वाली, दयालु गांव की डॉक्टर – डॉ. गर्गी – का किरदार निभाकर खूब तारीफें बटोरी हैं। और अब आकांक्षा तैयार हैं दर्शकों को एकदम नया झटका देने के लिए, अपने आने वाले लीगल थ्रिलर 'इक्का' में। गांव की सादगी छोड़कर इस बार वो कोर्टरूम की तेज-तर्रार दुनिया में एंट्री ले रही हैं, जहां वो एक मॉडर्न यंग वुमन के किरदार में नज़र आएंगी – जो उनके काम में एक और नया तड़का जोड़ता है।

आज रिलीज़ हुआ 'इक्का' का ट्रेलर इस इंटेंस कहानी की एक झलक देता है। एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा के बैकड्रॉप पर बनी ये कहानी एक मशहूर वकील के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे एक मर्डर के आरोपी का केस लड़ना पड़ता है। हालांकि आकांक्षा के किरदार को लेकर मेकर्स ने अभी ज्यादा खुलासा नहीं किया है, लेकिन ट्रेलर ये इशारा ज़रूर करता है कि उनकी भूमिका कहानी में खास अहमियत रखती है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर आकांक्षा कहती हैं, 'मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है कि मैं अपने किरदार के ज़रिए क्या इम्पैक्ट ला सकती हूं। मैं काफी एक्साइटेड हूं कि अब दर्शक 'इक्का' की दुनिया की पहली झलक ट्रेलर के ज़रिए देख पाएंगे। मैंने पहले भी कहा है कि थ्रिलर मेरा पसंदीदा जॉनर है, तो ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए और भी रोमांचक था। मेकर्स की सोच और जिस तरह से स्क्रिप्ट मुझे सुनाई गई, उसने मुझे और भी खींच लिया। उनके विजन में एकदम क्लैरिटी थी, और वही चीज़ मेरे साथ रह गई।' पिछले कुछ सालों में आकांक्षा ने जानबूझकर अलग-अलग जॉनर के प्रोजेक्ट्स चुने हैं। 'गिल्टी' और 'मोनिका, ओ माय डार्लिंग' में अपने दमदार परफॉर्मेंस से उन्होंने गहरी छाप छोड़ी, और फिर 'ग्राम चिकित्सालय' में डॉ. गर्गी बनकर अपना एक अलग ही सॉफ्ट और इमोशनल साइड दिखाया। अब 'इक्का' के साथ वो फिर एक नए स्पेस में कदम रख रही हैं – इस बार कहानी ज्यादा डार्क और लेयर्ड है। वर्क फ्रंट की बात करें तो, इस समय 'ग्राम चिकित्सालय सीजन 2' में अपने परफॉर्मेंस के लिए सराहना बटोर रहीं आकांक्षा जल्द ही 'इक्का' में नज़र आएंगी, जिसके बाद उनके पास कई और दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं – जिनका खुलासा अभी बाकी है।

हम भारतीय बहुत भावुक हैं, लोगों का दर्द समझते हैं

अरशद वारसी और राजकुमार हिरानी ने 'प्रीतम एंड पेड्रो' से पहले 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' और 'लगे रहो मुन्ना भाई' जैसी सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया है, जहां अरशद वारसी का 'सर्किट' वाला किरदार काफी पॉपुलर हुआ था। अरशद ने हाल ही में अमर उजाला से बातचीत के दौरान अपनी नई सीरीज, राजकुमार हिरानी के साथ दोबारा काम करने, उनके बेटे वीर हिरानी के साथ अपने अनुभव, बॉलीवुड की सच्चाई और साइबर फ्रॉड जैसे मुद्दों पर खुलकर बात की। बातचीत के दौरान, उन्होंने अजय देवगन का भी जिक्र किया।

'राजकुमार हिरानी का बेटा है तो क्या हुआ, गलत करेगा तो डांट पड़ेगी'

बता दें, राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी इस सीरीज के साथ एक्टिंग डेब्यू कर रहे है। वीर के साथ काम करने के अनुभव पर अरशद ने कहा कि उनके साथ काम करना काफी सहज रहा, क्योंकि वह उन्हें पहले से जानते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं वीर को काफी समय से जानता हूं, इसलिए काम बहुत आराम से हुआ। दूसरी बार जब आप किसी के साथ काम करते हैं तो समझ और बेहतर हो जाती है। हर इंसान एक-दूसरे से कुछ न कुछ सीखता है और मैंने भी उससे बहुत कुछ सीखा है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या राजकुमार हिरानी के बेटे होने की वजह से वीर को कोई विशेष छूट मिलती थी, तो अरशद ने तुरंत हंसते हुए जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल नहीं। उस बेचारे को तो खूब डांट पड़ती थी। हमारा रिश्ता थोड़ा अलग है। मैं उसे गलत काम नहीं करने दे सकता। अगर किसी दृश्य में वह बिल्कुल अलग दिशा में चला जाता था तो मैं दोबारा करवाता था। कई बार दोबारा दृश्य करना पड़ा। राजकुमार हिरानी का बेटा होने का मतलब यह नहीं कि काम के दौरान छूट मिल जाएगी।

'हम भारतीय भावुक लोग हैं, इसलिए ये किरदार लोगों को जरूर पसंद आएंगे'

अपनी सीरीज को लेकर बढ़ती उम्मीदों पर बात करते हुए अरशद ने कहा कि किसी भी सीरीज की सबसे बड़ी ताकत उसके किरदार होते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर लोगों को किरदार पसंद आ जाएं तो वही किसी सीरीज की असली सफलता होती है। इस सीरीज के दोनों किरदार लोगों को पसंद आएंगे।

बेटी की पैदाइश के बाद जमीन-आसमान का बदलाव आया

अली फजल को इंडिया में भले दर्शक 'मिर्जापुर' के गुड्डू भैया के रूप में जानते हों, मगर अली ने हॉलीवुड में भी अच्छा-खासा काम किया है। इन दिनों वेब सीरीज 'राख' में अपनी भूमिका के लिए तारीफ बटोरने वाले अली जल्द ही कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में दिखेंगे। आमिर खान की 'बंटवारा 1947' के अलावा वह फिल्म 'मिर्जापुर' और 'लस्ट स्टोरीज' में भी नजर आएंगे।

'बंटवारा 1947' में बड़ा रोल नहीं, पर अहम

'बंटवारा 1947' में अपने रोल पर अली फजल कहते हैं, ' 'बंटवारा' में मेरा बहुत बड़ा रोल नहीं है, लेकिन मेरे लिए किरदार के आकार से ज्यादा अहमियत उस टीम और कहानी की होती है, जिसका मैं हिस्सा बनता हूं। सनी देओल जैसे दिग्गज कलाकारों और शानदार टीम के साथ काम करना अपने आप में बड़ा अनुभव है। आमिर खान सर इसे बना रहे हैं और मुझे इसके रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार है। सच तो ये है कि मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार तक सीमित नहीं रखना चाहता। फिल्म मिर्जापुर में चिरपरिचित चेहरों के साथ एक सिनेमैटिक अनुभव मिलेगा।'

आज से तकरीबन दो साल पहले अली और रिचा ने जुनेरा नाम प्यारी बेटी को जन्म दिया। अली खुद को खुशकिस्मत मानते हैं, बेटी को पाकर। वह कहते हैं, 'बेटी को पाकर नसीब वाला महसूस करता हूं । बस रोज, दुआ करता हूं कि एक पैरेंट के रूप में बेटी का ध्यान रख पाऊं, उसकी जरूरतें पूरी कर पाऊं। मुझमें जमीन-आसमान का बदलाव आया है। लोग जब पूछते हैं कि एक पिता के रूप में क्या देना चाहेंगे? तो मैं मुझे लगता है कि ये तो इतिहास की सबसे पुरानी चीज है। हम बच्चों को क्या दे सकते हैं? जो भी देना है, वो तो हमारा फर्ज है। हम हजारों सालों से ये करते आए हैं। मुझे लगता है कि हमें बात का बतंगड़ नहीं बनाना चाहिए। हमें काम करना चाहिए, बच्चे पालने चाहिए, उन्हें एजुकेट करना जरूरी है। बाकी तो दुनिया चल ही रही है।'

जरूरी नहीं हर समय हर मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया जाए

अली ने आगे कहा, 'हालांकि, एक अभिनेता के तौर पर हमारी जिम्मेदारी जरूर बनती है, क्योंकि हम भी समाज का हिस्सा हैं। हम समाज को देखते हैं, उससे सीखते हैं और फिर उसी का एक रूप अपने सिनेमा और कहानियों के माध्यम से दर्शकों के सामने रखते हैं। लेकिन यह भी जरूरी नहीं है कि हर समय और हर मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया जाए। पहले सोशल मीडिया नहीं था, इसलिए लोगों से ऐसी अपेक्षाएं भी कम थीं। आज सोशल मीडिया के दौर में अक्सर यह उम्मीद की जाती है कि हर विषय पर कलाकार अपनी राय रखें। इसमें कुछ गलत नहीं है, लेकिन मेरा मानना है कि आखिरकार हर व्यक्ति का अपना तरीका होता है। मेरे लिए मेरा काम ही मेरी सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।'

बिना सोचे-समझे कुछ नहीं कहता

सभी जानते हैं कि अली फजल की पत्नी रिचा चड्ढा मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखने में कभी पीछे नहीं रही हैं, मगर अली उनकी तरह मुखर नहीं हैं। इस पर वह कहते हैं, 'मेरा मानना है कि इंसान चाहे तो कुछ भी बन सकता है, और अगर मैं चाहूं तो हर मुद्दे पर बोलना भी शुरू कर सकता हूं। लेकिन मुझे लगता है कि मैं अपने काम के जरिए ज्यादा प्रभावी ढंग से अपनी बात कह पाता हूं। शायद मैं अभी उस मुकाम पर नहीं हूं कि बिना पूरी जानकारी और समझ के किसी भी विषय पर खुलकर टिप्पणी करूं।

इंसानी स्वभाव को समझने की कोशिश

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय रूप से कई तरह का काम करने के बाद अली एक इंसान और एकत्र के रूप में बदलाव महसूस करते हैं। वह कहते हैं, 'मेरे लिए हर किरदार इंसानी स्वभाव को बेहतर ढंग से समझने का एक अवसर होता है। मैं हमेशा यह जानने की कोशिश करता हूं कि क्या मैं एक आम इंसान के मन और उसकी परिस्थितियों के भीतर उतर सकता हूं। जब आप ऐसा करते हैं, तो अहसास होता है कि हर कहानी के पीछे एक सच्चा इंसान है, जिसकी अपनी जद्दोजहद और कई परतें हैं।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630